लखनऊ

गुरुवार 15 जनवरी, 2026

वर्ष : 11 । अंक: 146

मूल्य : 1 रुपये

पृष्ठ : 8

UPHIN/2014/57034

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

धन से हम जीवन की सारी सुख सुविधा तो हासिल कर सकते है, पर जीवन में सुकून केवल अच्छे कर्मो से ही आता है।

TODAY WEATHER

DAY 20° Hi

NIGHT 10° Low

संक्षेप

शाहीन सईद सहित चार आरोपियों की हिरासत बढ़ी, कोर्ट ने तीन दिनों तक हिरासत में भेजा

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास कार में हुए ब्लास्ट के मामले में पटियाला हाउस कोर्ट ने डॉक्टर शाहीन, मुफ्ती इरफान अहमद, जासिर बिलाल वानी, डॉ. अदील अहमद और मुजम्मिल को भी 3 दिनों की राष्ट्रीय अन्वेषण एजेंसी (एनआईए) की हिरासत में भेज दिया है। एनआईए ने मंगलवार को ही कोर्ट से डॉ. शाहीन की पुलिस रिमांड मांगी थी। डॉ. शाहीन को पिछले महीने पटियाला हाउस कोर्ट ने न्यायिक हिरासत में भेजा था। एनआईए का कहना है कि हिरासत बढ़ाने का उद्देश्य आरोपी से विस्तृत पूछताछ करना और विस्फोट के पीछे के नेटवर्क को उजागर करना है। एजेंसी जांच में यह पता लगा रही है कि किस तरह से विस्फोट की योजना बनाई गई, सहयोगी कौन थे और हथियार एवं विस्फोटक सामग्री कैसे जुटाई गई। एजेंसी का मानना है कि यह मॉड्यूल जैश-ए-मोहम्मद जैसे संगठनों से लिंक है। अब तक कई आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है, जिनमें डॉ. मुजम्मिल शकील गनी, डॉ. शाहीन सईद, मुफ्ती इरफान और अन्य शामिल हैं। केंद्रीय और राज्य एजेंसियों के साथ मिलकर एनआईए पूरी साजिश का पता लगाने में जुटी है। जांच में विदेशी हैंडलरों के लिंक भी सामने आ रहे हैं। यह गिरफ्तारी मामले में बड़ा कदम मानी जा रही है और आगे और खुलासे होने की उम्मीद है। इस हमले ने राजधानी की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाए हैं और जांच तेजी से आगे बढ़ रही है।

64 करोड़ से मॉनसून-प्रूफ बनेगी नांगलोई-नजफगढ़ रोड, जलभराव से मिलेगी मुक्ति

नई दिल्ली। दिल्ली के उपराज्यपाल श्री विनय कुमार सक्सेना और मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता ने नांगलोई- नजफगढ़ सड़क सुदृढ़ीकरण और नालों के निर्माण से जुड़ी परियोजना का शिलान्यास किया। यह परियोजना पश्चिमी दिल्ली में रहने वाले लाखों दिल्लीवासियों को सीधा फायदा पहुंचाएगी। वर्षों से यह क्षेत्र बरसात के मौसम में जलभराव, नालों के ओवरफ्लो, सड़क पर गड्ढों और ट्रैफिक जाम की गंभीर समस्याओं से जूझ रहा था। परियोजना पूरी होते ही इस पूरे कॉरिडोर में जल-निकासी सुधरेगी, सड़कें बेहतर होंगी और लोगों को ट्रैफिक से राहत मिलेगी। इस अवसर पर उपराज्यपाल श्री वी. के. सक्सेना ने कहा कि नांगलोई और नजफगढ़ के लोगों के लिए आज का दिन बेहद महत्वपूर्ण है, क्योंकि उनकी पुरानी मांग अब पूरी होने जा रही है। लंबे समय से चली आ रही यहां के लोगों की गंभीर समस्या के समाधान के लिए दिल्ली सरकार ने ठोस कदम उठाया है। उन्होंने बताया कि 64 करोड़ रुपये की लागत से नांगलोई-नजफगढ़ सड़क के सुदृढ़ीकरण के साथ-साथ ड्रेनेज निर्माण कार्य की शुरुआत की जा रही है। इससे लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव आएगा। प्रदूषण, ट्रैफिक जाम और जलभराव की समस्याओं से भी राहत मिलेगी। उपराज्यपाल ने बताया कि सितंबर 2024 में उन्होंने मुंडका, नांगलोई, कंझावला, फिरनी रोड और रोहतक रोड सहित कई क्षेत्रों का दौरा किया था। तब वहां की स्थिति बेहद जर्जर थी।

मकर संक्रांति पर अयोध्या-हरिद्वार समेत कई धार्मिक स्थानों पर उमड़ा आस्था का सैलाब, पवित्र नदियों में किया स्नान

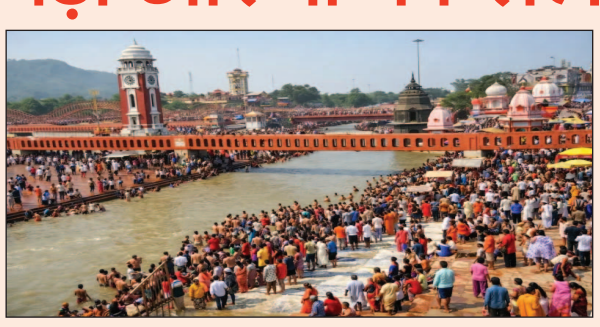

नई दिल्ली, एजेंसी। मकर संक्रांति का पर्व देशभर में आस्था और उल्लास के साथ मनाया जा रहा है। सूर्य के मकर राशि में प्रवेश के साथ ही यह पर्व पुण्य, परंपरा और आध्यात्मिक चेतना का संदेश देता है। इस मौके पर अयोध्या, प्रयागराज और ऋषिकेश जैसे प्रमुख धार्मिक स्थलों पर श्रद्धालु नदियों में पवित्र स्नान कर रहे हैं।

प्रयागराज में चल रहे माघ मेले के बीच मकर संक्रांति पर पवित्र स्नान करने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु संगम पर उमड़ पड़े। संगम घाटों पर बुधवार सुबह बड़ी संख्या में श्रद्धालु आए और सभी उम्र के लोगों ने पवित्र डुबकी लगाई।

प्रयागराज में संगम घाट पर स्नान के बाद एक श्रद्धालु ने आईएएनएस से बातचीत में कहा, हम अयोध्या से आए हैं और हमने भी पवित्र स्नान किया। इंतजाम बहुत अच्छे हैं। सड़क की सुविधाएं अच्छी हैं और घाटों पर इंतजाम बहुत बढ़िया हैं। घाटों पर प्रशासन के इंतजाम बहुत कुशल और अच्छी तरह से मैनेज किए गए हैं। एक महिला ने कहा कि हम पिछले 10-12 सालों से प्रयागराज आ रहे हैं। हर बार एक महीने के लिए रुकते हैं। उन्होंने कहा कि यह इतनी महान और पवित्र जगह है कि इसे शब्दों में बयान नहीं किया जा सकता। एक अन्य श्रद्धालु ने कहा कि बहुत अच्छा अनुभव रहा है। मकर संक्रांति का दिन है और चारों तरफ बस खुशी ही खुशी है। अयोध्या में सरयू के घाटों पर भी रौनक देखी गई। बड़ी संख्या में श्रद्धालु सरयू नदी के घाटों में पवित्र स्नान करने पहुंचे। कड़ाके की ठंड के बावजूद सुबह 4 बजे से श्रद्धालुओं का स्नान शुरू हो गया। स्नान के बाद श्रद्धालु हनुमानगढ़ी मंदिर और राम मंदिर में दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं। पहली बार अयोध्या पहुंचे मध्य प्रदेश के अशोकनगर जिला निवासी एक श्रद्धालु ने कहा कि हमने पहले तीर्थ यात्रा की थी और उसका झंडा उठाया था। हमने इस बार यहां आने का फैसला किया। मिर्जापुर के निवासी एक युवक ने कहा कि मकर संक्रांति का त्योहार है। यहां की सरयू नदी को पवित्र माना जाता है। यहां आकर बहुत अच्छा लगा है। मकर संक्रांति के मौके पर उत्तराखंड के ऋषिकेश में भी हजारों श्रद्धालुओं ने त्रिवेणी घाट पर पवित्र स्नान किया। तीर्थयात्रियों ने पूजा-पाठ, प्रार्थना और दान-पुण्य किया। राजस्थान के रहने वाले दीपक ने बताया कि वह पिछले आठ साल से गंगा में पवित्र स्नान के लिए ऋषिकेश आते हैं। स्नान करने के बाद दान-पुण्य करते हैं और शिवलिंग पर गंगाजल चढ़ाते हैं। एक और युवक ने कहा कि भक्त अलग-अलग राज्यों से और विदेश से भी गंगा में पवित्र डुबकी लगाने और दर्शन करने आते हैं। इस दिन लोग सुबह-सुबह पूजा-पाठ करते हैं, प्रार्थना करते हैं, दान करते हैं और अपने परिवार की भलाई और खुशहाली के लिए देवी गंगा से प्रार्थना करते हैं।

पोंगल कार्यक्रम में बोले पीएम, 'तामिल सभ्यता दुनिया की सबसे प्राचीन, भविष्य का दिखाती है रास्ता'

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को भावी पीढ़ियों के लिए मिट्टी की रक्षा, जल संरक्षण और प्राकृतिक संसाधनों के संतुलित उपयोग की आवश्यकता पर जोर देते हुए इन्हें वर्तमान समय की सबसे अहम आवश्यकताओं में से एक बताया। नई दिल्ली में केंद्रीय मंत्री एल मुरुगन के आवास पर पोंगल से संबंधित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि यह त्योहार लोगों को शब्दों से परे जाकर प्रकृति के प्रति कृतज्ञता को जीवन शैली के रूप में अपनाने के लिए प्रेरित करता है। उन्होंने आगे कहा कि मिशन लाइफ, एक पेड़ मां के नाम और अमृत सरोवर जैसी सरकारी पहलें इस भावना को और मजबूत कर रही हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि आने वाली पीढ़ियों के लिए मिट्टी की रक्षा करना, जल संरक्षण करना और संसाधनों का संतुलित उपयोग करना आज की सबसे बड़ी आवश्यकताओं में से हैं। मिशन लाइफ, एक पेड़ मां के नाम और अमृत सरोवर जैसी पहलें इसी भावना को आगे बढ़ा रही हैं। केंद्र सरकार किसानों को सशक्त बनाने के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है। पोंगल का त्योहार हमें प्रेरित करता है कि प्रकृति के प्रति कृतज्ञता केवल शब्दों तक सीमित न रहे, बल्कि हमारे जीवन का हिस्सा बन जाए। जब धरती हमें इतना कुछ देती है, तो इसे संरक्षित करना हमारा कर्तव्य बन जाता है।

प्रधानमंत्री मोदी ने इस बात पर भी जोर दिया कि सरकार कृषि को अधिक टिकाऊ और पर्यावरण के अनुकूल बनाने के लिए लगातार प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि आने वाले वर्षों में टिकाऊ कृषि पद्धतियां, ₹पहली बूंद, अधिक फसल₹ दृष्टिकोण के तहत प्रभावी जल प्रबंधन, प्राकृतिक खेती, कृषि प्रौद्योगिकी और मूल्यवर्धन महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। कृषि में युवाओं की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि युवा इस क्षेत्र में नए विचार और नई ऊर्जा ला रहे हैं। उन्होंने तमिलनाडु में प्राकृतिक खेती पर आयोजित एक सम्मेलन को याद किया, जहां उन्होंने युवाओं के महत्वपूर्ण योगदान को देखा, जिनमें से कई ने खेती करने के लिए अच्छी तनख्वाह वाली नौकरियां छोड़ दी हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि हम कृषि को अधिक टिकाऊ और पर्यावरण के अनुकूल बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत हैं। आने वाले समय में, टिकाऊ कृषि पद्धतियाँ, जल प्रबंधन—जैसा कि मैं अक्सर कहता हूँ, "पहली बूँद, अधिक फसल"—प्राकृतिक कृषि, कृषि प्रौद्योगिकी और मूल्यवर्धन बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाएँगे। इन सभी क्षेत्रों में हमारे युवा नए विचारों और नई ऊर्जा के साथ आगे बढ़ रहे हैं। कुछ महीने पहले ही मैंने तमिलनाडु में प्राकृतिक कृषि पर एक सम्मेलन में भाग लिया था, जहाँ मैंने हमारे युवाओं द्वारा निभाई जा रही उत्कृष्ट भूमिका को देखा। कई युवाओं ने खेती करने के लिए उच्च वेतन वाली पेशेवर नौकरियों को छोड़ दिया है। उनसे मिलकर मुझे गहरी संतुष्टि और प्रेरणा मिली।

प्रधानमंत्री ने यह भी उल्लेख किया कि तमिल सभ्यता विश्व की सबसे प्राचीन जीवित सभ्यताओं में से एक है, और इसे एक ऐसी संस्कृति बताया जो सदियों को जोड़ती है, इतिहास से सीख लेती है और भविष्य का मार्गदर्शन करती है। प्रधानमंत्री ने कहा कि मित्रों, तमिल सभ्यता विश्व की सबसे प्राचीन जीवित सभ्यताओं में से एक है। यह संस्कृति सदियों को जोड़ती है, इतिहास से सीखती है, वर्तमान का मार्गदर्शन करती है और भविष्य का मार्ग प्रशस्त करती है। इसी से प्रेरित होकर आज का भारत अपनी जड़ों से शक्ति प्राप्त करते हुए नई संभावनाओं की ओर आगे बढ़ रहा है।

बीजेपी नेता रविशंकर प्रसाद के घर में लगी आग, मौके पर दमकल की 3 गाड़ियां मौजूद

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद के सरकारी आवास में आग लगने की घटना सामने आई है। यह आवास लुटियंस जोन स्थित 21 मदर टेरेसा क्रिसेंट रोड पर स्थित है। बुधवार सुबह करीब 8:05 बजे आग लगने की सूचना मिली। शुरुआत में दमकल विभाग को कोठी नंबर 2 में आग लगने की जानकारी दी गई थी, लेकिन मौके पर पहुंचने के बाद पता चला कि आग कोठी नंबर 21 में लगी है, जो रविशंकर प्रसाद का निवास है। आग घर के एक कमरे में रखे बेड में लगी थी। लपटें उठती देख तुरंत फायर ब्रिगेड को सूचित किया गया।

सूचना मिलते ही दमकल विभाग की तीन गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और कुछ ही समय में आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया। राहत की बात यह रही कि इस घटना में कोई भी व्यक्ति घायल नहीं हुआ। उस समय कमरे में कोई मौजूद नहीं था, जिससे बड़ा हादसा टल गया।

दमकल विभाग और पुलिस की टीम फिलहाल आग लगने के कारणों की जांच में जुटी हुई है। शुरुआती जांच में आग का स्रोत बेड बताया जा रहा है, हालांकि यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि आग शॉर्ट सर्किट से लगी या किसी अन्य कारण से। एड्रेस को लेकर शुरू में थोड़ी असमंजस की स्थिति जरूर बनी, लेकिन दमकल कर्मियों ने सही स्थान पर पहुंचकर स्थिति को तुरंत नियंत्रित कर लिया।

फिर हो गयी भारत और अमेरिका में दोस्ती, अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से की मुलाकात

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर ने आज राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को अपना परिचय पत्र सौंपा। राष्ट्रपति कार्यालय द्वारा जारी बयान में कहा गया है कि द्रौपदी मुर्मू ने राष्ट्रपति भवन में आयोजित एक समारोह में सर्जियो गोर से उनका परिचय पत्र स्वीकार किया। बयान में कहा गया है कि गोर के अलावा त्रिनिदाद और टोबैगो गणराज्य के उच्चायुक्त चंद्रदाथ सिंह और ऑस्ट्रिया गणराज्य के राजदूत रॉबर्ट जिस्चग ने भी राष्ट्रपति मुर्मू को अपने परिचय पत्र प्रस्तुत किए।

हम आपको बता दें कि गोर ने पिछले साल नवंबर के मध्य में भारत में अमेरिका के राजदूत के रूप में शपथ ली थी। अमेरिकी सीनेट ने पिछले साल अक्टूबर में उनकी नियुक्ति की पुष्टि की थी। गोर ने इस सप्ताह सोमवार को दिल्ली स्थित अमेरिकी दूतावास में अपना पद संभाला था। इससे पहले वह वह 'व्हाइट हाउस' के कार्मिक निदेशक के रूप में कार्यरत थे। पद संभालने के बाद पहले बयान में उन्होंने दोनों देशों के तनावपूर्ण संबंधों को फिर से सुधारने के इरादे का संकेत देते हुए कहा था कि अमेरिका के लिए भारत जितना आवश्यक कोई देश नहीं है। उन्होंने जोर देकर कहा था कि दोनों पक्ष व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के लिए सक्रिय रूप से प्रयासरत हैं। सर्जियो गोर ने कहा था कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच की दोस्ती पूरी तरह वास्तविक है और यही मित्रता भारत-अमेरिका के मजबूत द्विपक्षीय संबंधों की आधारशिला है। सर्जियो गोर ने स्पष्ट किया कि उन्होंने स्वयं ट्रंप के साथ दुनिया भर में काम किया है और उनके अनुभव के आधार पर यह कहना गलत नहीं होगा कि ट्रंप और मोदी के बीच व्यक्तिगत स्तर पर गहरा विश्वास और सम्मान है। उन्होंने कहा कि दोनों नेताओं के बीच संवाद हमेशा स्पष्ट और सीधे रहा है। राजदूत गोर ने माना कि किसी भी मजबूत साझेदारी में कभी-कभी मतभेद सामने आते हैं, विशेष रूप से व्यापार जैसे संवेदनशील मुद्दों पर। लेकिन उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि ऐसे मतभेद रिश्तों को कमजोर नहीं करते, बल्कि परिपक्व बातचीत के ज़रिये समाधान की दिशा में ले जाते हैं।

'हम पूर्व सैनिकों के सम्मान में सिर झुकाते हैं', सशस्त्र सेना पूर्व सैनिक दिवस पर बोले रक्षा मंत्री

नई दिल्ली, एजेंसी। आज देश 10वां सशस्त्र बल पूर्व सैनिक दिवस मना रहा है। इस मौके पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पूर्व सैनिकों को सम्मानित किया और जिन सैनिकों ने युद्ध के मैदान में अपने प्राण गंवाएं, उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान रक्षा मंत्री ने कहा कि देश अपने पूर्व सैनिकों के सम्मान में सिर झुकाता है। राजधानी दिल्ली के मानेकशॉ सेंटर में आयोजित कार्यक्रम में राजनाथ सिंह ने पूर्व सैनिकों को देश का गर्व बताया और आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्त्रोत बताया।

उन्होंने कहा कि इस अवसर पर हम भारत समेत विश्व भर में रहने वाले अपने पूर्व सैनिकों को आदरपूर्वक नमन करते हैं। हम शहादत प्राप्त उन सभी सैनिकों को भी श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं जिन्होंने राष्ट्र निर्माण में योगदान दिया। आज मुझे इस विशाल परिवार के साथ में मकर संक्रांति मनाने का अवसर मिला है। राजनाथ सिंह ने पूर्व सैनिकों को संबोधित करते हुए कहा, 'आपके लिए यह सिर्फ एक पेशा नहीं है; बल्कि एक प्रतिज्ञा है जिसमें आप सभी ने राष्ट्र को अपने से ऊपर रखा है। मैं इसे शब्दों में बयां नहीं कर सकता हूं क्योंकि किसी भी समाज के लिए इससे बड़ा बलिदान कुछ और नहीं होगा। राजनाथ सिंह ने कहा कि रक्षा मंत्री के रूप में उन्हें देश सेवा करने का मौका मिला और यह मेरी सबसे संतोषजनक भूमिका रही है। उन्होंने सभी सैनिकों के समर्पण की प्रशंसा करते हुए कहा कि राष्ट्र निर्माण में सेवानिवृत्ति के बाद भी अपना योगदान देते रहते हैं। इसलिए रक्षा मंत्री के रूप में आपके साथ काम करना मेरे जीवन के सबसे सुखद पलों में से एक है। रक्षा मंत्री ने कहा कि मैंने मुख्यमंत्री, कृषि मंत्री एवं गृह मंत्री के रूप में भी कार्य किया है। लेकिन मुझे सबसे अधिक संतोष रक्षा मंत्री के रूप में सेवा करने से ही मिला है। इसमें सैनिकों के जीवन में आने वाली तमाम चुनौतियों का समाधान करने का सौभाग्य मिला है। दरअसल हर साल 14 जनवरी को सशस्त्र सेना का 'सशस्त्र बल पूर्व सैनिक दिवस' मनाया जाता है। यह दिवस दिवंगत फील्ड मार्शल के.एम. करियप्पा की जयंती के अवसर पर मनाया जाता है, जो 14 जनवरी 1953 को सेवानिवृत्त हुए थे। भारत के सैन्य इतिहास में फील्ड मार्शल करियप्पा, एक महान व्यक्तित्व एवं भारतीय सेना के पहले कमांडर-इन-चीफ थे।

अमेरिका को बड़ा झटका, 20 साल में पहली बार पॉवरफुल पासपोर्ट की लिस्ट में टॉप-10 से बाहर

नई दिल्ली, एजेंसी। दुनियाभर के ताकतवर देशों के पासपोर्ट की रैंकिंग देने वाली संस्था Henley Passport Index ने 2025 के पासपोर्ट रैंकिंग की लिस्ट जारी की है। इस रिपोर्ट के आने के बाद अमेरिका को बहुत बड़ा झटका लगा है। आंकड़ों के मुताबिक, अमेरिकी पासपोर्ट 20 साल में पहली बार दुनिया के टॉप-10 सबसे पावरफुल पासपोर्ट्स की लिस्ट से बाहर हो गया है।

इस रिपोर्ट में सिंगापुर के पासपोर्ट को पहला स्थान दिया गया है, जबकि भारत ने कुछ सालों की गिरावट के बाद लगातार सुधार किया है। कभी पासपोर्ट की लिस्ट में पहले स्थान पर रहने वाला अमेरिका, अब लिस्ट में गिरावट के साथ 12वें पायदान पर पहुंच गया है और मलेशिया के साथ टाई हो गया है। दोनों देशों के पास 180 देशों तक वीजा-फ्री या वीजा-ऑन-एराइवल पहुंच है। साल 2024 में अमेरिका इस लिस्ट में 7वें स्थान पर था।

रिपोर्ट में पहले स्थान पर सिंगापुर ने मारी बाजी

Henley रिपोर्ट के अनुसार, सिंगापुर को 193 देशों में वीजा-फ्री या वीजा-ऑन-एराइवल सुविधा प्राप्त है, जिस कारण इस देश को शीर्ष स्थान दिया गया है। इसके बाद दक्षिण कोरिया दूसरे स्थान और जापान तीसरे स्थान पर है, जिनके पास 190 देशों तक पहुंच है। इसके साथ ही यूरोपीय देशों जैसे स्विट्जरलैंड, लक्जमबर्ग, जर्मनी, इटली, स्पेन आदि को चौथे स्थान पर रखा गया है।

भारत ने इस बार रैंकिंग में अच्छा स्थान पाया है। रिपोर्ट में भारत को 85वां स्थान दिया गया है, जहां उसके पास 59 देशों तक वीजा-फ्री या वीजा-ऑन-एराइवल पहुंच है। यह भारत के लिए अच्छी रैंकिंग मानी जा रही है। कोविड-19 महामारी के बाद भारत की रैंकिंग गिरकर 90वें रैंक तक चली गई थी। हालांकि साल 2023 में भारत को इस रैंकिंग में 84वां और 2024 में 80वां पायदान मिला था।

रैंकिंग में पाकिस्तान को मिला ये स्थान

Henley Passport Index 2025 की इस रिपोर्ट के अनुसार, भारत के पड़ोसी देश पाकिस्तान को 103वें स्थान पर रखा गया है, जिसके पास 31 देशों तक वीजा-फ्री या वीजा-ऑन-एराइवल पहुंच है। पिछले साल 2024 में, पाकिस्तान के पासपोर्ट को 101वां स्थान दिया गया था, यानि इस रैंकिंग में पाकिस्तान ने गिरावट दर्ज की है।

रैंकिंग में क्यों नीचे गिरा संयुक्त राष्ट्र अमेरिका?

पिछले कुछ सालों में अमेरिका ने वीजा-मुक्त यात्रा समझौतों को बढ़ाने के प्रयास सीमित कर दिए हैं। वहीं, अन्य देशों (जैसे सिंगापुर, जापान, दक्षिण कोरिया) ने कई देशों के साथ ऐसे समझौते किए हैं, जिससे उनके नागरिकों को बिना वीजा यात्रा की सुविधा मिल रही है। वहीं अमेरिका का कई देशों के साथ राजनीतिक और कूटनीतिक तनाव भी रहा है, जैसे चीन, रूस, ईरान, और कुछ अफ्रीकी राष्ट्र। इस कारण उन देशों ने भी अमेरिका के नागरिकों पर यात्रा प्रतिबंध या वीजा कठिनाइयां बढ़ाई हैं। COVID-19 महामारी के दौरान अमेरिका ने काफी कठोर यात्रा प्रतिबंध लगाए और महामारी के बाद भी कुछ प्रतिबंधों में धीरे-धीरे छूट दी, जबकि अन्य देशों ने तेजी से अपनी नीतियों में लचीलापन दिखाया। इससे अमेरिका का पासपोर्ट अन्य देशों की तुलना में कम कमजोर साबित हुआ।

तालाब में डूबने से एक युवक समेत चार बच्चों की मौत, परिजनों में मचा कोहराम

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

प्रयागराज। प्रयागराज में बुधवार को बड़ा हादसा हो गया। पुरामुफ्ती थाना इलाके के केशवपुर कुसुआ गांव में एक तालाब में डूबने से चार बच्चों की मौत हो गई। घटना बुधवार को हुई, जब गांव के ही रहने वाले एक युवक के साथ तीन बच्चे तालाब के पास खेल रहे थे। बच्चों की उम्र 10 से 11 वर्ष बताई जा रही है। बुधवार को प्रयागराज के पुरामुफ्ती थाना क्षेत्र के सल्लाहपुर इलाके के कुसुआ गांव में एक दुखद घटना सामने आई। एक तालाब में डूबने से एक युवक समेत चार बच्चों की दर्दनाक मौत हो गई। मृतक युवक गांव का ही निवासी था, और उसके साथ तीन अन्य बच्चे भी थे।

खेलते-खेलते तालाब में गिरने की आशंका

घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार, बच्चे तालाब के किनारे खेल रहे थे। बच्चों के कपड़े और चप्पल तालाब के पास ही पड़े मिले, जिससे यह अनुमान लगाया जा रहा है कि वे खेलते-खेलते अचानक तालाब में चले गए और किसी को कुछ पता नहीं चला। यह घटना घटित हुई। तालाब में चार बच्चों की डूबने से मौत के बाद कोहराम मचा हुआ है। पुलिस चौकी सल्लाहपुर पर भारी भीड़ जमा हो गई है। बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंचे हैं। परिजन बच्चों की हत्या का आरोप लगा रहे हैं। जिन बच्चों डूबने से मौत हुई है उनमें प्रतीक सोनकर (12) पुत्र प्रदीप सोनकर, प्रिंस सोनकर (10) पुत्र प्रदीप सोनकर, करण सोनकर (19) पुत्र राजेश सोनकर और प्रियांशु सोनकर (11) पुत्र स्व. संदीप सोनकर हैं।

पुलिस कर रही है जांच, परिजनों ने जताई हत्या की आशंका

इस गंभीर घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की छानबीन शुरू कर दी है। पुलिस हर पहलू की जांच कर रही है कि आखिर यह हादसा कैसे हुआ। वहीं, मृतकों के परिजनों ने हत्या की आशंका भी जताई है, जिसके बाद पुलिस इस दिशा में भी जांच आगे बढ़ा रही है।

सीएससी संचालकों पर बड़ी कार्रवाई

सुल्तानपुर। जनपद में कॉमन सर्विस सेंटर संचालकों के विरुद्ध जिला प्रशासन एवं भारत सरकार के सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के निर्देश पर सख्त कार्रवाई की गई है। मानकों का पालन न करने वाले 101 जन सेवा केंद्रों को तत्काल प्रभाव से बंद कर दिया गया है।सीएससी के जिला प्रबंधक सुनील कुमार ने बताया कि यह कार्रवाई उन केंद्रों पर की गई है, जहां भारत सरकार द्वारा निर्धारित प्रॉपर ब्रांडिंग एवं रेट चार्ट (सेवाओं की मूल्य सूची) प्रदर्शित नहीं की गई थी। उन्होंने स्पष्ट किया कि जिले में केवल वही सीएससी संचालित किए जाएंगे, जो पारदर्शिता एवं निर्धारित नियमों के अनुरूप कार्य करेंगे।जिला प्रबंधक ने कहा कि जिन केंद्रों पर न तो अधिकृत ब्रांडिंग पाई गई और न ही सेवाओं की रेट लिस्ट लगी थी, उन्हें चिन्हित कर बंद किया गया है। यह अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेगा। विभाग ने चेतावनी दी है कि भविष्य में यदि किसी भी संचालक द्वारा अनिवार्य ब्रांडिंग या रेट लिस्ट में लापरवाही बरती गई।

सड़क हादसा में 22 वर्षीय युवती की मौत, सड़क जाम कर विरोध

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। जिले के हलियापुर-बेलवाई मार्ग पर बुधवार को एक भीषण सड़क दुर्घटना में 22 वर्षीय युवती रूपा की मौके पर ही मौत हो गई। यह हादसा धनपतगंज थाना क्षेत्र के पीपरगांव स्थित पूरे राधे पंडित के पास हुआ, जहां तेज रफ्तार डंपर ने युवती को जोरदार टक्कर मार दी।हादसे के बाद परिजन और स्थानीय ग्रामीण आक्रोशित हो गए और सड़क जाम कर दिया। प्रदर्शनकारियों ने मृतका के परिवार को मुआवजा देने और दोषी वाहन चालक के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। सूचना मिलते ही धनपतगंज थाना प्रभारी धर्मेंद्र कुमार मिश्रा पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और स्थिति को संभालने का प्रयास किया।घटनास्थल पर बल्दीराय और गोसाईगंज थानों की पुलिस भी मौजूद है। परिजनों का आरोप है कि इस इलाके में पहले भी कई हादसे हो चुके हैं, लेकिन प्रशासन ने कभी ठोस कदम नहीं उठाया और न ही पीड़ित परिवारों को कोई सहायता मिली। इसी नाराजगी के चलते परिजन शव उठाने से इनकार कर रहे हैं और न्याय की मांग पर अड़े हुए हैं।

स्पा सेंटर की आड़ में जिस्मफरोशी का धंधा, अंदर बने थे केबिन, व्हाट्सएप-टेलीग्राम से होती थी बुकिंग

आर्यावर्त संवाददाता

मेरठ। मेरठ पुलिस ने शहर के पॉश इलाकों में स्पा सेंटर की आड़ में चल रहे जिस्मफरोशी के बड़े रैकेट का भंडाफोड़ किया है। पुलिस को मौके से अश्लील सामग्री भी मिली। इन सेंटरों की बुकिंग व्हाट्सएप, मैसेंजर पर ऑनलाइन बुकिंग की जा रही थी।

दरअसल जिस्मफरोशी के धंधे ने अब अपना पता बदल लिया है। यह गलियों से निकलकर अब चमचमाती स्क्रीन वाले स्मार्टफोन्स, एनक्रिप्टेड मैसेजिंग ऐप और हाई-टेक वेबसाइटों पर शिफ्ट हो चुका है। पुलिस की भाषा में इसे साइबर वेश्यावृत्ति कहा जाता है।

वेबसाइट, व्हाट्सएप और टेलीग्राम के त्रिकोण का इस्तेमाल करके दलाल ये रैकेट चला रहे हैं। जिस स्पा सेंटरों पर पुलिस ने मंगलवार को छापा मारा वहां बाहर मसाज पार्लर का बोर्ड लगा था लेकिन

अंदर केबिन बने हुए थे। ग्राहकों की बुकिंग व्हाट्सएप के जरिए होती है और उन्हें कोड वर्ड बताकर एंट्री दी जाती थी।

सीओ सिविल लाइन अभिषेक तिवारी ने बताया कि व्हाट्सएप को इसलिए चुना जाता है क्योंकि यह हर किसी के पास है और इस पर फोटो-वीडियो भेजना आसान है। स्पा सेंटर पर काम करने वाली युवती और संचालिका ग्राहकों के व्हाट्सएप नंबर पर मैसेज भेजते हैं। लड़कियों की फोटो और रेट लिस्ट भी भेजी जाती है।

सीओ सिविल लाइन के मुताबिक टेलीग्राम पर नंबर छिपाने की सुविधा है। ग्राहक बिना नंबर साझा किए सिर्फ यूजरनेम के जरिए बात करते थे। इससे पुलिस के लिए कॉल डिटेल रिकॉर्ड निकालना मुश्किल होता है।

सीओ ने बताया कि सभी स्पा सेंटर में एक रिसेप्शन बना हुआ मिला जहां एक युवती बैठी थी। वहीं कई युवतियां अन्दर बैठी हुई मिलीं। अन्दर छोटे-छोटे कैबिन भी बने हुए थे जहां पर मसाज और जिस्मफरोशी की जाती थी। इसके अलावा नहाने के लिए बाथरुम भी छोटे-छोटे केबिन में साइड में बने हुए थे। सबकी वीडियोग्राफी भी सीओ अभिषेक तिवारी ने कराई है। सीओ ने बताया कि जिन-जिन स्पा सेंटर संचालिकाओं के मोबाइल में युवतियों के फोटो मिले है उनकी भी जांच कराई जा रही है।

पिछले साल द सीजर फैमिली मसाज पार्लर में मारा था छापा

मंगलपांडे नगर में पिछले साल एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट थाने की टीम ने स्पा सेंटर द सीजर फैमिली में छापा मारकर कार्रवाई की थी।

पुण्य तिथि पर बुजुर्गों व मेधावियों का सम्मान

बल्दीराय/सुल्तानपुर। बल्दीराय तहसील क्षेत्र के ग्राम पूरे तुलसीराम में स्वर्गीय जगपती देवी की चतुर्थ पुण्य तिथि के अवसर पर बुजुर्गों एवं मेधावी छात्रों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन तुलसी ग्रामोत्थान न्यास के तत्वावधान में किया गया।कार्यक्रम का शुभारंभ सुंदरकांड पाठ, हवन एवं विधिवत पूजा-अर्चना के साथ हुआ। आयोजन का संचालन धर्मेन्द्र शुक्ल ने किया। सम्मान समारोह में मेधावी छात्रों को अंगवस्त्र एवं भगवान राम की बालक प्रतिमा भेंट कर सम्मानित किया गया, वहीं वरिष्ठ नागरिकों व बुजुर्गों को शाल एवं स्मृति चिह्न देकर सम्मान प्रदान किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. अवधेश त्रिपाठी (जिला संचालक, सुलतानपुर) ने कहा कि ऐसे पुनीत आयोजनों से बुजुर्गों और मेधावी छात्रों का मनोबल बढ़ता है तथा समाज में सकारात्मक और प्रेरणादायी संदेश जाता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. जुगुल किशोर श्रीवास्तव ने की।

चीनी मांझे की चपेट में आया डॉक्टर, गर्दन कटने से हुई मौत, पुलिस ने लोगों से की खास अपील

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। जौनपुर जिले में बुधवार को चीनी मांझे की चपेट में आकर एक युवक की मौत हो गई। घटना से मौके पर अफरातफरी मच गई। घटना पंचहटिया स्थित प्रसाद इंटरनेशनल स्कूल के पास हुई। मृतक की पहचान डॉक्टर समीर हासिमी (28) के रूप में हुई है। गर्दन कटने से काफी खून बह रहा था, जिससे मौके पर ही उनकी मौत हो गई।

पुलिस ने घटना को बताया दुर्भाग्यपूर्ण

घटनास्थल पर पहुंचे सीओ सिटी गोल्डी गुप्ता ने घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताया। उन्होंने बताया कि डॉक्टर समीर बाइक से अपने घर जा रहे थे। इसी दौरान संभवतः चीनी मांझे से गर्दन कटने से उनकी मौत हो गई। परिजनों को सूचना दे दी गई है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा

गया है।

पुलिस ने की ये अपील

अधिकारी ने कहा कि चीनी मांझा प्रतिबंधित है। इसे लेकर जिले में लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसके बावजूद लोग ऑनलाइन चीनी मांझा मंगाकर इसका उपयोग कर रहे हैं। ऐसे में उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि मकर संक्रांति पर थोड़ी सी खुशी के लिए पतंग लूटने या काटने के लालच में चीनी मांझे का उपयोग न करें। त्योहार मनाएं, लेकिन ध्यान रखें कि किसी तरह की जनहानि न हो।

युवा दंपत्ति जब वैवाहिक बंधन से पकड़े हाथ तो जीवनभर निभाएं साथ : समरसता प्रमुख

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। भय और डर से हमें धर्मांतरण नहीं करना है। सनातन हमें निर्भीकता और कर्तव्य निष्ठा का पाठ पढ़ाता है। अन्ना हजारे की राह पर चलें और शराब से दूर हटकर बच्चों को शिक्षित करने के लिए आगे आएं। समरसता प्रमुख आरएसएस कृपा शंकर द्विवेदी ने संबोधन के दौरान यह बातें कहीं।

धनपतगंज विकासखंड अंतर्गत जज्जौर ग्राम पंचायत में सिद्धि वीर बाबा पब्लिक स्कूल के सामने पं रामकृपाल पांडेय स्मृति सेवा समिति प्रयागराज एवं बनबासी कल्याण आश्रम सीता कुंड के संयुक्त तत्वाधान में मकर संक्रांति खिचड़ी भोज कार्यक्रम आयोजित हुआ। समरसता प्रमुख आरएसएस कृपा शंकर द्विवेदी ने कहा कि ईसाई और मुस्लिम मिशनरियों से हमको सावधान रहने की जरूरत है। झांसा देकर बड़े पैमाने पर यह लोग धर्म परिवर्तन करवा रहे हैं।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आत्माराम पांडेय ने कहा कि बेटियों की शिक्षा बहुत महत्वपूर्ण है। बेटियां ससुराल और मायका दो घर सुधरती हैं। कार्यक्रम में आए अतिथियों और वनवासी स्त्री पुरुषों का स्वागत जमुना प्रसाद पांडेय ने किया। इस मौके पर अभिषेक तिवारी, जितेंद्र सिंह विष्णु नारायण तिवारी, सुरेंद्रजी, बलराम मिश्रा आदि लोगों ने सक्रिय सहभागिता निभाई।

बदायूं में बनेगा रिंग रोड : शहरवासियों को जाम से मिलेगी मुक्ति, यातायात होगा सुगम, डीपीआर बनाने की मिली मंजूरी

आर्यावर्त संवाददाता

बदायूं। बदायूं के लिए बड़ी सौगात के रूप में रिंग रोड परियोजना की दिशा में कवायद शुरू हो गई है। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने शहर में प्रस्तावित रिंग रोड के निर्माण को डिटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार कराने के लिए 1 करोड़ 6 लाख 15 हजार 365 रुपये की वित्तीय स्वीकृति प्रदान कर दी है। इससे परियोजना को औपचारिक शुरुआत मिल गई है।

यह स्वीकृति एनएचएआई की परियोजना कार्यान्वयन इकाई (पीआईयू) द्वारा 13 जनवरी 2026 को जारी पत्र के माध्यम से दी गई है। इसके तहत मैसर्स मार्क टेक्नोक्रेट्स लिमिटेड (वॉयंट्स सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड के साथ संयुक्त उपक्रम) को डीपीआर तैयार करने का कार्य सौंपा गया है। यह कार्य इटावा–फर्रुखाबाद–बरेली खंड से संबंधित मौजूदा परामर्श सेवाओं के दायरे में

परिवर्तन (चेंज ऑफ स्कोप) के अंतर्गत कराया जाएगा। सक्षम प्राधिकारी ने इस प्रस्ताव को मंजूरी दी है।

यातायात और विकास दोनों को मिलेगा लाभ

डीपीआर तैयार होने के बाद रिंग रोड के निर्माण का रास्ता साफ होगा, जिससे शहर के अंदर से गुजरने वाले भारी वाहनों का दबाव कम होगा। जाम, दुर्घटनाओं और प्रदूषण से राहत मिलेगी तथा उझानी रोड, बरेली रोड और मुरादाबाद रोड जैसे प्रमुख मार्गों पर यातायात सुचारु होने की उम्मीद है। परियोजना से बदायूं के बाहरी क्षेत्रों में नए औद्योगिक, व्यावसायिक और आवासीय विकास को भी गति मिलेगी।

प्रोजेक्ट डायरेक्टर की स्वीकृति से जारी हुआ पत्र

एनएचएआई के परियोजना निदेशक की स्वीकृति के बाद यह आदेश प्रबंधक (तकनीकी) सुजोत गुप्ता द्वारा जारी किया गया है। इसकी प्रतिलिपि एनएचएआई क्षेत्रीय कार्यालय लखनऊ एवं मुख्यालय नई दिल्ली को भी भेजी गई है।

केंद्रीय राज्यमंत्री ने दी जानकारी

केंद्रीय राज्यमंत्री बी.एल. वर्मा ने इस स्वीकृति के बारे में बुधवार को जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि शहर के समग्र विकास के लिए रिंग रोड अत्यंत आवश्यक है। एनएचएआई द्वारा डीपीआर के लिए वित्तीय मंजूरी मिलना एक बड़ी उपलब्धि है। इससे शहर में जाम की समस्या से राहत मिलेगी और व्यापार, उद्योग तथा निवेश को नया आयाम मिलेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार जिले के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

सड़क दुर्घटना युवक के सीने को चीरती हुई आर-पार हुई सरिया, मौके पर मौत

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। देहात कोतवाली थाना क्षेत्र के लोहरामऊ गांव के पास मंगलवार देर रात दिल दहला देने वाला सड़क हादसा हो गया। सुलतानपुर-वाराणसी फोरलेन हाईवे पर वैगन-आर कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई, जिससे 4 फीट लंबा लोहे का सरिया कार में बैठे युवक के सीने को चीरते हुए आर-पार निकल गया। युवक की मौके पर ही मौत हो गई। हादसा इतना भयावह था कि शव कार में फंस गया। उसे बाहर निकालने के लिए गैस कटर की मदद लेनी पड़ी। घटना के बाद मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई। कोतवाली देहात के मुरारपुर निवासी ओम प्रकाश पांडेय का परिवार प्रतापगढ़ जिले के कुंडा स्थित मनगढ़ भक्तिधाम (कृपालु जी महाराज) के दर्शन कर लौट रहा था। रात करीब 10 बजे जैसे ही कार लोहरामऊ गांव के पास पहुंची, सड़क किनारे खड़े ई-रिक्शा को बचाने के प्रयास में कार अनियंत्रित हो गई और सड़क के बीच बने डिवाइडर से टकरा गई। टक्कर इतनी तेज थी कि कार का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। डिवाइडर में लगी लोहे की रेलिंग (सरिया) ड्राइविंग सीट के बगल बैठे युवक के सीने में घुस गई। कुछ लोगों का कहना है कि सरिया डिवाइडर में लगी थी, जबकि कुछ का मानना है कि यह किसी भारी वाहन से गिरकर सड़क पर पड़ी थी। हादसे में मुरारपुर निवासी नीरज पांडेय (25) पुत्र ओम प्रकाश पांडेय की मौके पर ही मौत हो गई। कार में मौजूद उनकी पत्नी प्रीति (23), बाबा फूल चंद्र पांडेय और चालक सूरज उपाध्याय गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी घायलों को मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज जारी है। नीरज का शव कार में बुरी तरह फंसा हुआ था। सूचना पर पहुंची पुलिस और स्थानीय लोगों ने गैस कटर की मदद से कार को काटकर शव बाहर निकाला। बेटे की मौत की खबर सुनकर पिता ओम प्रकाश पांडेय का रो-रोकर बुरा हाल है।

अवैध सहारा बाल चिकित्सालय सील, संचालक फरार

आर्यावर्त संवाददाता

सुलतानपुर/चांदा। चांदा बाजार में अवैध रूप से संचालित सहारा बाल चिकित्सालय पर आखिरकार स्वास्थ्य विभाग की गाज गिर गई। मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) के आदेश पर मंगलवार को सीएमओ कार्यालय की टीम ने अस्पताल पर छापा मारकर उसे सील कर दिया, जबकि अस्पताल का संचालक आकाश मिश्रा मौके से फरार पाया गया। इस मामले में कई लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। सीएमओ कार्यालय की टीम ने 13 जनवरी को यह कार्रवाई उस समय की जब यह सामने आया कि सहारा बाल चिकित्सालय बिना पंजीकरण के चल रहा था। छापेमारी के दौरान अस्पताल में भारी अनियमितताएं पाई गईं। टीम में जिला क्षयरोग अधिकारी डॉ. आर.के. कन्नौजिया, अपर मुख्य

चिकित्सा अधिकारी डॉ. जे.सी. सरोज, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पीपी कमैचा के अधीक्षक डॉ. आर.सी. यादव, वरिष्ठ सहायक विजय कुमार तथा पुलिस बल के उप-निरीक्षक अवधेश सिंह यादव और उमा शंकर यादव शामिल रहे।जांच में सामने आया कि अस्पताल न तो सीएमओ कार्यालय में पंजीकृत था और न ही इलाज से जुड़े मानकों का पालन किया जा रहा था। छापेमारी के समय अस्पताल के कथित प्रबंधक निकिता तिवारी और शिवांग मिश्रा मौजूद थे, लेकिन संचालक आकाश मिश्रा (निवासी रामगढ़) मौके से नदारद मिले। यह कार्रवाई उस दर्दनाक मामले के बाद हुई जिसमें सराकल्याण (दारापुर) निवासी संदीप उमर वैश्य के जुड़वा नवजात बच्चों की मौत हो गई थी। संदीप वैश्य की पत्नी किरण ने 26 दिसंबर को लंभुआ के एक निजी अस्पताल में जुड़वा बच्चों को जन्म दिया था। बच्चों की गंभीर हालत बताकर उन्हें पीपी कमैचा स्थित सहारा बाल चिकित्सालय में भर्ती कराया गया, जहां 27 दिसंबर को एक नवजात की मौत हो गई। इसके बाद 12 जनवरी को दूसरे बच्चे की भी मौत हो गई।लगातार दो मौतों से आक्रोशित परिजनों ने अस्पताल पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद स्वास्थ्य विभाग हरकत में आया। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पीपी कमैचा के अधीक्षक की तहरीर पर चांदा कोतवाली में केस दर्ज किया गया है। अब सवाल यह है कि बिना पंजीकरण के चल रहे इस अस्पताल पर कार्रवाई पहले क्यों नहीं हुई और आखिर मासूमों की जान जाने के बाद ही प्रशासन क्यों जागा?

संभल में अतिक्रमण के खिलाफ चला 'पीला पंजा', 19 बीघा को कराया मुक्त, प्रशासन की बड़ी कार्रवाई

आर्यावर्त संवाददाता

संभल। उत्तर प्रदेश के संभल जिले में चंदौसी रोड पर अतिक्रमण हटाने का अभियान चल रहा है। बुलडोजर अभियान से लगभग 19 बीघा (1.239 हेक्टेयर) सरकारी जमीन को अवैध कब्जों से मुक्त कराया गया। इस कार्रवाई को पुलिस और प्रशासन द्वारा अंजाम दिया गया। दो बुलडोजर की मदद से अतिक्रमण को हटाया गया।

संभल के तहसीलदार धीरेंद्र कुमार ने बताया कि यह मामला गांव की सरकारी जमीन पर हुए अवैध कब्जों से संबंधित था। उन्होंने स्पष्ट किया कि इन मामलों में ट्रायल कोर्ट ने वर्ष 2022 में और अपीलेट कोर्ट ने वर्ष 2025 में अपने फैसले सुनाए थे। इन सभी अदालती फैसलों में भूमि से अवैध कब्जा हटाने के आदेश जारी किए गए थे। वर्तमान कार्रवाई अपीलेट कोर्ट के इन्हीं आदेशों के

अनुपालन में की जा रही है। तहसीलदार ने आगे बताया कि अतिक्रमण हटाने की प्रक्रिया शांतिपूर्वक संपन्न हुई और किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए पर्याप्त पुलिस बल मौजूद था।

अतिक्रमण हटाने की विस्तृत प्रक्रिया

यह अभियान सरकारी भूमि को संरक्षित करने और उस पर हो रहे अनधिकृत निर्माणों को हटाने की दिशा में एक बड़ा कदम है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि भविष्य में भी इस प्रकार की कार्रवाई जारी रहेगी ताकि सरकारी संपत्तियों पर किसी भी प्रकार के अवैध कब्जे को बर्दाश्त न किया जा सके।

इस अभियान के माध्यम से भू-माफियाओं पर नकेल कसने और सरकारी भूमि को उसके वास्तविक उपयोग में लाने का प्रयास किया जा रहा है। स्थानीय निवासियों ने भी प्रशासन की इस कार्रवाई का समर्थन किया है और उम्मीद जताई है कि इससे क्षेत्र में सरकारी भूमि का सही ढंग से प्रबंधन होगा।

इस प्रकार की कार्रवाई से जनता में यह संदेश जाता है कि कानून सभी के लिए समान है और अवैध गतिविधियों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। प्रशासन का लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि सरकारी भूमि का उपयोग जनहित में हो।

योगी सरकार का श्रमिक हितों पर फोकस

लखनऊ के लेबर अड्डों पर जागरूकता अभियान और पंजीयन शिविर का आयोजन

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। योगी सरकार निर्माण श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा का मजबूत कवच देने और उन्हें कल्याणकारी योजनाओं का सीधा लाभ पहुंचाने के लिए लगातार प्रभावी कदम उठा रही है। इसी क्रम में उत्तर प्रदेश भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड की ओर से पंजीकृत निर्माण श्रमिकों के हित में संचालित योजनाओं के व्यापक प्रचार-प्रसार और सम्मान सुनिश्चित करने को प्राथमिकता दे रही है। इन्हीं प्रयासों के तहत इस तरह के शिविर नियमित रूप से आयोजित किए जा रहे हैं, ताकि अधिक से अधिक श्रमिक सरकारी योजनाओं से जुड़ सकें। शिविरों के दौरान बड़ी संख्या में निर्माण श्रमिकों ने योजनाओं के प्रति रुचि दिखाई और मौके पर ही पंजीयन एवं नवीनीकरण की प्रक्रिया पूरी कराई। जागरूकता शिविर में निर्माण श्रमिकों को बोर्ड द्वारा संचालित प्रमुख कल्याणकारी योजनाओं की विस्तार से जानकारी दी गई। इनमें कन्या विवाह सहायता योजना, मातृत्व, शिशु एवं बालिका मदद योजना, संत रविदास शिक्षा प्रोत्साहन योजना, निर्माण कामगार मृत्यु एवं दिव्यांगता सहायता योजना, गंभीर बीमारी सहायता योजना और अटल आवासीय विद्यालय योजना प्रमुख रूप से शामिल रहीं। पात्र पाए गए श्रमिकों का मौके पर ही पंजीकरण कराया गया, जिससे उन्हें भविष्य में योजनाओं का लाभ प्राप्त करने में किसी प्रकार की कठिनाई न हो।शिविर के दौरान विशेष रूप से अटल आवासीय विद्यालय योजना पर जोर दिया गया। शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए कक्षा छह और कक्षा नौ में प्रवेश हेतु अधिकाधिक आवेदन कराने के लिए श्रमिकों को प्रेरित किया गया। बोर्ड के अंतर्गत न्यूनतम तीन वर्ष की अवधि पूर्ण कर चुके निर्माण श्रमिकों से अपने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए इस योजना का लाभ उठाने की अपील की गई।शिविर के आयोजन में विज्ञान फाउंडेशन सहित अन्य कार्यदायी संस्थाओं की सहभागिता रही। श्रम प्रवर्तन अधिकारी शक्तिराय, संतोष कुमार और सुनील कुमार ने मौके पर उपस्थित रहकर श्रमिकों को योजनाओं की जानकारी दी और समय से पंजीयन एवं नवीनीकरण कराने का महत्व समझाया। अपर श्रमायुक्त, लखनऊ क्षेत्र, कल्पना श्रीवास्तव ने बताया कि बोर्ड द्वारा संचालित किसी भी योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए निर्माण श्रमिक का बोर्ड के अंतर्गत पंजीकृत होना और पंजीयन का नियमानुसार नवीनीकरण अनिवार्य है। उन्होंने बताया कि श्रमिक अपना पंजीकरण और नवीनीकरण सीएससी ई-डिस्ट्रिक्ट सेंटर, सीएससी ई-गवर्नेंस सेंटर अथवा बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट upbocw.in के माध्यम से आसानी से करा सकते हैं।सरकार और श्रम विभाग के इन प्रयासों से निर्माण श्रमिकों को न केवल सरकारी योजनाओं की जानकारी मिल रही है, बल्कि वे सीधे तौर पर सामाजिक और आर्थिक सुरक्षा से भी जुड़ रहे हैं, जिससे उनके और उनके परिवारों के जीवन में सकारात्मक बदलाव की उम्मीद मजबूत हुई है।

मकर संक्रांति पर मोहनलालगंज के उमेद खेड़ा में सेवा और सौहार्द का उत्सव

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। मकर संक्रांति के पावन पर्व पर मोहनलालगंज क्षेत्र के ग्राम उमेद खेड़ा (राजा खेड़ा) में सेवा, संवेदना और सामाजिक सौहार्द का अनूठा उदाहरण देखने को मिला। ग्रामीणों के उत्तम स्वास्थ्य और कड़ाके की ठंड से राहत दिलाने के उद्देश्य से इंडियन रेडक्रॉस सोसाइटी के सौजन्य से स्वास्थ्य शिविर एवं कंबल वितरण कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। इस आयोजन ने पर्व के अवसर पर मानवीय मूल्यों और सामाजिक जिम्मेदारी को मजबूती से सामने रखा।ग्रामीणों के बेहतर स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए सनराइज मेडिकेयर हॉस्पिटल की ओर से ग्राम राजा खेड़ा और उमेद खेड़ा में एक दिवसीय निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर लगाया गया। शिविर में वरिष्ठ चिकित्सक डॉक्टर एस. सागर और डॉक्टर निर्मल साहू ने अपनी मेडिकल टीम के साथ सैकड़ों ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण किया। इस दौरान ब्लड प्रेशर, शुगर सहित अन्य सामान्य बीमारियों की जांच की गई और जरूरतमंद मरीजों को निःशुल्क दवाइयां उपलब्ध कराई गईं। चिकित्सकों ने ग्रामीणों को मौसमी बीमारियों से बचाव, स्वच्छता और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने की भी सलाह दी, जिससे लोगों में स्वास्थ्य के प्रति सजगता बढ़ी।कार्यक्रम का आयोजन उमेद खेड़ा ग्राम में एडवोकेट सुशील कुमार रावत द्वारा स्थापित गौशाला परिसर में किया गया, जहां सामाजिक सरोकारों को प्राथमिकता देते हुए कंबल वितरण का कार्यक्रम भी संपन्न हुआ। मकर संक्रांति के अवसर पर पड़ रही कड़ाके की ठंड को देखते हुए क्षेत्र के निर्धन और असहाय बुजुर्गों को कंबल भेंट किए गए। कंबल पाकर बुजुर्गों और जरूरतमंद ग्रामीणों के चेहरे पर संतोष और राहत की झलक साफ दिखाई दी।इस अवसर पर इंडियन रेडक्रॉस सोसाइटी के उत्तर प्रदेश महासचिव और भाजपा किसान मोर्चा उत्तर प्रदेश के प्रदेश मंत्री रामानंद कटियार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि पर्व का असली आनंद सेवा भाव में है और स्वास्थ्य व सुरक्षा हर नागरिक का अधिकार है। कार्यक्रम में स्थानीय चेयरमैन प्रतिनिधि सत्यम पाण्डेय सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे, जिन्होंने इस मानवीय पहल की सराहना करते हुए ऐसे आयोजनों को समाज के लिए प्रेरणादायी बताया।मकर संक्रांति के इस आयोजन ने यह संदेश दिया कि जब पर्व, सेवा और संवेदना एक साथ जुड़ते हैं, तो समाज के अंतिम व्यक्ति तक राहत और भरोसा पहुंचता है।

पसीना वाले हनुमान मंदिर का होगा पर्यटन विकास, एक करोड़ की लागत से संवरेगा फिरोजाबाद का आस्था केंद्र

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग ने फिरोजाबाद जनपद के बहुचर्चित और आस्था से जुड़े पसीना वाले हनुमान मंदिर के पर्यटन विकास का निर्णय लिया है। लगभग दो हजार वर्ष प्राचीन माने जाने वाले इस ऐतिहासिक और चमत्कारी मंदिर को शासन स्तर से अनुमोदित कार्य योजना के अंतर्गत एक करोड़ रुपये की लागत से विकसित किया जाएगा। इस पहल को फिरोजाबाद को धार्मिक पर्यटन के मानचित्र पर मजबूत पहचान दिलाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।उत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि पर्यटन विभाग का उद्देश्य प्रदेश के प्रमुख धार्मिक और ऐतिहासिक स्थलों को आधुनिक सुविधाओं से जोड़ते हुए उन्हें राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आकर्षक बनाना है। इसी क्रम में फिरोजाबाद जनपद में स्थित पसीना वाले हनुमान मंदिर का समग्र पर्यटन विकास किया जाएगा, ताकि श्रद्धालुओं और पर्यटकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें।फिरोजाबाद जनपद मुख्यालय से कुछ किलोमीटर की दूरी पर यमुना नदी के तट पर स्थित यह प्रसिद्ध मंदिर अपनी अनूठी मान्यता के कारण देशभर में जाना जाता है। मान्यता है कि मंदिर में स्थापित हनुमान जी की प्रतिमा से वर्ष भर पसीना निकलता रहता है। सर्दियों के मौसम में भी प्रतिमा पर पसीने की बूंदें दिखाई देती हैं, जिसे श्रद्धालु चमत्कार के रूप में देखते हैं। इसी अद्भुत विशेषता के कारण यहां दूर-दूर से श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते हैं और मंदिर की आस्था दिनोंदिन और मजबूत होती जा रही है।पर्यटन विकास परियोजना के तहत मंदिर परिसर का सौंदर्यीकरण किया जाएगा। साथ ही आधुनिक प्रकाश व्यवस्था, पर्यटक सूचना केंद्र, स्वच्छ शौचालय, पेयजल सुविधा और श्रद्धालुओं के लिए विश्राम स्थलों का निर्माण प्रस्तावित है। इन सुविधाओं के विकसित होने से न केवल दर्शन व्यवस्था सुगम होगी, बल्कि मंदिर एक सुव्यवस्थित धार्मिक पर्यटन स्थल के रूप में भी विकसित होगा।पर्यटन मंत्री ने बताया कि फिरोजाबाद पर्यटन की दृष्टि से तेजी से उभरता हुआ जिला है। लखनऊ और आगरा जैसे प्रमुख शहरों से जुड़े होने के कारण यहां पर्यटकों की आवाजाही लगातार बढ़ रही है। वर्ष 2023 में जनपद में आने वाले पर्यटकों की संख्या 4.44 लाख से अधिक थी, जो वर्ष 2024 में बढ़कर 6.48 लाख के पार पहुंच गई। वहीं वर्ष 2025 के जनवरी से जून माह के बीच ही 4.06 लाख से अधिक पर्यटकों ने फिरोजाबाद का भ्रमण किया है। पर्यटन विभाग का अनुमान है कि वर्ष 2025 के अंत तक यह आंकड़ा 7 लाख से अधिक हो सकता है।पर्यटकों की बढ़ती संख्या से स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिल रही है और रोजगार के नए अवसर भी सृजित हो रहे हैं।

पुलिस ने उ0प्र0 गुण्डा नियंत्रण अधिनियम के तहत शहर में मनबढ़ और दबंग व्यक्तियों को निष्कासित किया

लखनऊ। लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट ने शहर की शांति और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए एक प्रभावी कदम उठाते हुए थाना गोसाईगंज, बिजनौर, गाजीपुर, मदेयगंज और कृष्णानगर के मनबढ़ एवं दबंग व्यक्तियों को उत्तर प्रदेश गुण्डा नियंत्रण अधिनियम-1970 के तहत गुण्डा घोषित करते हुए लखनऊ की सीमा से निष्कासित किया है। पुलिस के अनुसार, न्यायालय द्वारा संयुक्त पुलिस आयुक्त (कानून एवं व्यवस्था), लखनऊ की सिफारिश पर इन व्यक्तियों को अपराधियों और समाज के लिए खतरे के रूप में चिन्हित किया गया। इस कार्रवाई का उद्देश्य आपराधिक गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाना और आम जनता की सुरक्षा सुनिश्चित करना है।वहीं शिवकुमार रावत और अंशु कुमार विनोदिया को 03 माह की अवधि के लिए थाना हाजिरी पर रखा गया है।

डॉ. अखिलेश दास अलका दास फाउंडेशन का मानवीय पहल, सिविल अस्पताल में जरूरतमंदों को बांटे कंबल

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। भीषण ठंड के बीच जरूरतमंदों को राहत पहुंचाने के उद्देश्य से डॉ. अखिलेश दास अलका दास फाउंडेशन की ओर से डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी अस्पताल (सिविल) परिसर में कंबल वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर बीबीडी ग्रुप के अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश बैडमिंटन एसोसिएशन के चेयरमैन विराज सागर दास ने स्वयं जरूरतमंदों को कंबल वितरित कर सामाजिक सरोकारों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया।

कार्यक्रम में बीबीडी ग्रुप की चेयरपर्सन एवं डॉ. अखिलेश दास अलका दास फाउंडेशन की अध्यक्ष अलका दास भी उपस्थित रहीं।कंबल वितरण के दौरान विराज सागर दास ने प्रदेशवासियों को मकर संक्रांति की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए सभी के सुखमय और स्वस्थ जीवन की कामना की। उन्होंने कहा कि शिक्षा और सामाजिक सेवा बीबीडी परिवार की परंपरा और संस्कार का हिस्सा रही है। जनकल्याण के कार्यों के प्रति समूह सदैव अग्रसर रहा है और मानवीय संवेदनाओं को केंद्र में रखकर समाज के अंतिम पायदान पर खड़े लोगों के लिए निरंतर कार्य करता रहेगा।

उन्होंने कहा कि फाउंडेशन का उद्देश्य केवल सहायता करना नहीं, बल्कि जरूरतमंदों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ना है। शिक्षा को उन्होंने सामाजिक उत्थान की सबसे बड़ी कुंजी बताते हुए कहा कि समाज के हर वर्ग तक शिक्षा पहुंचे, यही उनका संकल्प है और इसी दिशा में फाउंडेशन लगातार प्रयास कर रहा है।विराज सागर दास ने बताया कि फाउंडेशन द्वारा ठंड के मौसम में अलाव जलाने की व्यवस्था, मरीजों को निःशुल्क चाय उपलब्ध कराना, कंबल वितरण, गर्मियों में प्याऊ की व्यवस्था, गरीब मरीजों के लिए निःशुल्क एम्बुलेंस सेवा जैसे अनेक जनहितकारी कार्य पूरे शहर में संचालित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि मौजूदा समय में जब पूरा शहर भीषण ठंड की चपेट में है, ऐसे में गरीब और असहाय वर्ग के लिए यह पहल बेहद जरूरी है और फाउंडेशन पूरी संवेदनशीलता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन कर रहा है।

उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री बाबू बनारसी दास और पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. अखिलेश दास गुप्ता द्वारा किए गए सेवा कार्य उनके लिए प्रेरणा का स्रोत हैं। उन्हीं के बताए मार्ग पर चलते हुए वे जनसेवा को अपना कर्तव्य मानते हैं और आगे भी इसी भावना के साथ कार्य करते रहेंगे।कार्यक्रम के दौरान अलका दास ने भी जरूरतमंदों को कंबल वितरित किए। उन्होंने कहा कि जनसेवा से उन्हें आत्मसंतोष की अनुभूति होती है और समाज के कमजोर वर्गों की सेवा करना उनका निरंतर प्रयास रहेगा। उन्होंने भरोसा दिलाया कि फाउंडेशन आगे भी इसी तरह मानवीय मूल्यों के साथ जनकल्याण के कार्य करता रहेगा।

बकाया गृह कर पर नगर निगम की सख्ती, जोन-7 में 52 व्यावसायिक प्रतिष्ठान सील

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। नगर निगम लखनऊ ने बकाया गृह कर की वसूली को लेकर सख्त रुख अपनाते हुए बुधवार को जोन-7 क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई की। नगर आयुक्त गौरव कुमार के निर्देश पर जोन-7 के जोनल अधिकारी रामेश्वर प्रसाद के नेतृत्व में यह अभियान चलाया गया, जिसमें कर बकाया रखने वाले व्यावसायिक प्रतिष्ठानों पर सीलिंग की कार्रवाई की गई।कार्रवाई के दौरान नगर निगम की टीम ने बीबीडी कॉलेज के सामने स्थित साईं मार्केट में संचालित 33 कमर्शियल दुकानों को सील किया। इन दुकानों पर लगभग 14 लाख रुपये का गृह कर बकाया पाया गया था। निगम अधिकारियों के अनुसार संबंधित व्यापारियों को पूर्व में कई बार नोटिस जारी किए गए थे, इसके बावजूद कर जमा नहीं किया गया, जिसके बाद यह कठोर कदम उठाया गया।इसके अलावा जोन-7 के अन्य वार्डों में भी अभियान चलाते हुए 19 और दुकानों को सील किया गया। यह कार्रवाई कैलाशकुंज ब्लॉक-ए, इंदिरा नगर, कंचना बिहारी मार्ग, कल्याणपुर सहित अन्य क्षेत्रों में की गई, जहां 10 लाख रुपये से अधिक का गृह कर बकाया था। इस तरह पूरे जोन-7 में कुल 52 व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के खिलाफ सीलिंग की कार्रवाई की गई।नगर निगम अधिकारियों ने बताया कि यह पूरी कार्रवाई नगर निगम अधिनियम और निर्धारित नियमों के तहत की गई है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि बकाया कर की वसूली नगर निगम की प्राथमिकता है और जिन संपत्ति स्वामियों व व्यापारियों द्वारा बार-बार नोटिस के बावजूद कर जमा नहीं किया जाएगा, उनके विरुद्ध आगे भी इसी तरह की सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

मकर संक्रांति पर ओला इलेक्ट्रिक का बड़ा एलान, लखनऊ में 4680 भारत सेल प्लेटफॉर्म का विस्तार

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। मकर संक्रांति के पावन पर्व पर ओला इलेक्ट्रिक ने उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ को केंद्र में रखते हुए ऊर्जा और ई-मोबिलिटी सेक्टर में बड़ा कदम उठाया है। कंपनी ने वर्ष 2026 की शुरुआत में अपने स्वदेशी 4680 भारत सेल प्लेटफॉर्म के लखनऊ में विस्तार की घोषणा की। इस फैसले के तहत अब लखनऊ के व्यवसायों और स्टार्टअप्स को सीधे 4680 भारत सेल या 1.5kWh क्षमता वाले 4680 भारत सेल बैटरी पैक खरीदने की सुविधा मिलेगी। इन बैटरी समाधानों का उपयोग ऑटोमोटिव, ह्यूमनॉइड्स, ड्रोन और पोर्टेबल मेडिकल उपकरणों जैसे उभरते और अत्याधुनिक क्षेत्रों में किया जा सकेगा, जिससे स्थानीय स्तर पर इनोवेशन और टेक्नोलॉजी आधारित उद्योगों को नई गति मिलने की उम्मीद है।कंपनी का कहना है कि

इस पहल से लखनऊ ही नहीं बल्कि पूरे भारत में डिज़ाइन, इंजीनियरिंग और मैन्युफैक्चरिंग आधारित नई ऊर्जा स्टोरेज सॉल्यूशंस को मजबूती मिलेगी। स्टार्टअप्स और उद्यमों को अब एक स्केलेबल और स्वदेशी एनर्जी प्लेटफॉर्म मिलेगा, जिससे वे अपने उत्पादों को तेजी से विकसित करने के साथ-साथ बड़े स्तर पर विस्तार कर सकेंगे। मकर संक्रांति के शुभ मुहूर्त में ओला इलेक्ट्रिक ने लखनऊ में एक और महत्वपूर्ण पहल करते हुए पच्चीस से अधिक परिवारों को भारतीय निर्मित रेसिडेंशियल बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम 'ओला शक्ति' का वितरण किया। इसके साथ ही कंपनी ने घोषणा की कि ओला शक्ति अब आम उपभोक्ताओं के लिए खरीद के लिए उपलब्ध है। ओला शक्ति का 6kW/9.1kWh वेरिएंट जनवरी 2026 के अंत से डिलीवरी के लिए उपलब्ध होगा, जबकि 3kW/5.2kWh वेरिएंट की डिलीवरी फरवरी 2026 के मध्य से शुरू की जाएगी। यह सिस्टम भारतीय घरों के लिए ऊर्जा को एक पोर्टेबल और ऑन-डिमांड संसाधन के रूप में उपयोग करने की दिशा में अहम बदलाव माना जा रहा है।ओला इलेक्ट्रिक ने अपनी फ्लैगशिप इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल रोडस्टर X+ 9.1kWh की डिलीवरी शुरू होने की जानकारी भी दी। यह मोटरसाइकिल 4680 भारत सेल से पावर्ड है और कंपनी के अनुसार सिंगल चार्ज पर 500 किलोमीटर तक की रेंज देने में सक्षम है। इसके अलावा, S1 Pro+ 5.2kWh की डिलीवरी को भी पूरे देश में बड़े स्तर पर स्केल-अप कर दिया गया है, जिससे इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर सेगमेंट में कंपनी की मौजूदगी और मजबूत होने की संभावना है।कंपनी के मुताबिक, इन सभी उत्पादों का मूल आधार 4680 भारत सेल है, जो उसका इन-हाउस एनर्जी प्लेटफॉर्म है। यही प्लेटफॉर्म अब दोपहिया वाहनों के साथ-साथ रेसिडेंशियल एनर्जी स्टोरेज सिस्टम ओला शक्ति को भी पावर दे रहा है। 'एक सेल, एक प्लेटफॉर्म, एक पोर्टफोलियो' की अवधारणा के साथ पूरी तरह भारत के लिए विकसित यह तकनीक भारतीय घरों, खेतों और व्यवसायों के लिए ऊर्जा के उपयोग के तरीके में बुनियादी परिवर्तन लाने का दावा करती है।

उत्तर प्रदेश पुलिस और मेटा के संयुक्त प्रयास से युवती की आत्महत्या टली, अलर्ट पर 5 मिनट में पहुंची टीम

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश पुलिस और मेटा कंपनी (फेसबुक एवं इंस्टाग्राम) के बीच 2022 से प्रचलित व्यवस्था के तहत यदि कोई व्यक्ति सोशल मीडिया पर आत्महत्या संबंधी पोस्ट करता है, तो मेटा कंपनी उत्तर प्रदेश पुलिस को ई-मेल और फोन के माध्यम से तत्काल अलर्ट भेजती है। इस प्रणाली के माध्यम से दिनांक 01 जनवरी 2023 से 10 जनवरी 2026 तक कुल 1855 व्यक्तियों के प्राणों की रक्षा की जा चुकी है।इसी प्रक्रिया के तहत दिनांक 13 जनवरी 2026 को जनपद इटावा के थाना उसराहार क्षेत्र की लगभग 19 वर्षीय छात्रा द्वारा इंस्टाग्राम पर वीडियो पोस्ट किया गया, जिसमें उसने अपने गले में दुपट्टा डालकर फंदा बनाने का प्रयास किया और टेक्स्ट लिखा, "कभी इसकी जान हुआ करते थे, आज मेरी शक्ल से नफरत।"मेटा कंपनी द्वारा भेजे गए अलर्ट को सोशल मीडिया सेंटर, मुख्यालय पुलिस महानिदेशक उत्तर प्रदेश ने 01:39 PM पर प्राप्त किया। पुलिस महानिदेशक राजीव कृष्ण के निर्देशानुसार तत्काल कार्रवाई शुरू की गई। अलर्ट में उपलब्ध मोबाइल नंबर और लोकेशन की सहायता से थाना उसराहार की पुलिस टीम, उपनिरीक्षक, महिला आरक्षी और अन्य कर्मियों के साथ मात्र 5 मिनट में छात्रा के आवास पर पहुँची।पुलिस ने परिजनों को घटना की जानकारी दी और छात्रा के कमरे का दरवाजा खोलकर देखा कि वह फंदा डालकर फांसी लगाने का प्रयास कर रही थी। पुलिस कर्मियों ने तुरंत फंदा हटाकर छात्रा को बेड से नीचे उतारा और परिजनों की मदद से प्राथमिक उपचार प्रदान किया। छात्रा ने पुलिस को बताया कि वह इंटरमीडिएट की पढ़ाई पूरी कर चुकी है।

सुशान्त गोल्फ सिटी में ब्लाइंड मर्डर का 72 घंटे में खुलासा, शव जलाकर साक्ष्य मिटाने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ के दक्षिणी जोन अंतर्गत थाना सुशान्त गोल्फ सिटी पुलिस ने एक सनसनीखेज हत्याकांड का खुलासा करते हुए बड़ी सफलता हासिल की है। युवक की निर्मम हत्या कर उसके शव को जलाकर साक्ष्य मिटाने की इस घटना को पुलिस ने महज 72 घंटे के भीतर सुलझा लिया। इस मामले में दो शातिर अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया है, जिनके कब्जे से हत्या में प्रयुक्त चाकू, घटना में इस्तेमाल की गई स्कूटी और दो एंड्रॉयड मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं।पुलिस के अनुसार 9 जनवरी 2026 को थाना सुशान्त गोल्फ सिटी को सूचना मिली थी कि भागीरथी एन्क्लेव के पास एक जला हुआ शव पड़ा है। सूचना पर पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पंचायतनामा की कार्रवाई की गई। प्रारंभिक जांच में शव की पहचान नहीं हो सकी थी, जिसके बाद पुलिस

ने तकनीकी और मैनुअल साक्ष्यों के आधार पर शिनाख्त के प्रयास तेज किए। बाद में शव की पहचान सचिन तिवारी पुत्र स्वर्गीय श्याम तिवारी उम्र 24 वर्ष निवासी टिकरा जुग्रात थाना नगराम लखनऊ के रूप में हुई।इस संबंध में 13 जनवरी 2026 को मृतक के भाई विपिन तिवारी की लिखित तहरीर पर थाना सुशान्त गोल्फ सिटी में मु0अ0सं0-16/2026 धारा 103(1), 61(2) और 238 बीएनएस के तहत अभियोग पंजीकृत किया गया। तहरीर में आरोप लगाया गया कि सचिन तिवारी की हत्या कर उसकी लाश को जलाकर नष्ट करने का प्रयास किया गया।

घटना के अनावरण के लिए पुलिस उपायुक्त दक्षिणी के निर्देशन में पांच विशेष टीमों का गठन किया गया। टीमों ने सीसीटीवी फुटेज, कॉल डिटेल्स, अन्य तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिर की सूचना के आधार पर जांच आगे बढ़ाई। जांच के दौरान निहाल बाल्मीकि और करन बाल्मीकि के नाम सामने आए, जिन्हें पुलिस ने हिरासत में लेकर पूछताछ की और बाद में गिरफ्तार कर लिया।पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया कि मृतक और वे आपस में मित्र थे। घटना वाली रात निहाल बाल्मीकि के घर पर नशा करने के दौरान नशे की सामग्री लाने को लेकर विवाद हो गया था। विवाद बढ़ने पर गाली-गलौज और मारपीट शुरू हुई। इसी दौरान निहाल ने आंगन में पड़े गमले से सचिन पर वार कर दिया, जिससे वह घायल होकर गिर पड़ा। इसके बाद निहाल के साथी ने रसोई से चाकू उठाकर सचिन के गले पर वार कर उसकी हत्या कर दी।हत्या के बाद आरोपियों ने शव को ठिकाने लगाने और साक्ष्य मिटाने की योजना बनाई। निहाल ने अपने ममेरे भाई करन बाल्मीकि को स्कूटी लेकर बुलाया। इसके बाद शव को चादर और प्लास्टिक में लपेटकर स्कूटी पर लादा गया और भागीरथी के पास एक सुनसान स्थान पर फेंक दिया गया। बाद में पेट्रोल डालकर शव को जला दिया गया, ताकि पहचान और साक्ष्य नष्ट किए जा सकें। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से हत्या में प्रयुक्त चाकू, स्कूटी हाण्डा एक्टिवा संख्या UP32MW1734, दो एंड्रॉयड मोबाइल फोन और मृतक के कपड़े बरामद किए हैं। गिरफ्तार अभियुक्तों में निहाल बाल्मीकि उम्र 23 वर्ष और करन बाल्मीकि उम्र 26 वर्ष शामिल हैं। मामले में दो अन्य आरोपी विनय शर्मा उर्फ साहुल और कल्पना बाल्मीकि अभी फरार हैं, जिनकी गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं।इस जघन्य हत्याकांड के त्वरित और सफल अनावरण पर पुलिस उपायुक्त दक्षिणी ने थाना सुशान्त गोल्फ सिटी पुलिस टीम को 25 हजार रुपये नकद पुरस्कार देने की घोषणा की है। पुलिस का कहना है कि फरार आरोपियों को भी शीघ्र गिरफ्तार कर पूरे मामले में विधिक कार्रवाई पूरी की जाएगी।

शहीद पथ पर कूड़ा स्थल को रीयूज़ आर्ट गार्डन में बदलकर नगर निगम ने पेश किया स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण का प्रेरणादायक उदाहरण

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। शहर को स्वच्छ, सुंदर और पर्यावरण के अनुकूल बनाने की दिशा में लखनऊ नगर निगम ने एक महत्वपूर्ण और प्रेरणादायक पहल की है। यह कार्य महापौर सुषमा खर्कवाल के कुशल मार्गदर्शन, नगर आयुक्त गौरव कुमार के प्रशासनिक सहयोग एवं पार्षद शैलेंद्र वर्मा की अध्यक्षता में संपन्न हुआ।

जोन 4 में सिनेपॉलिस मॉल के सामने शहीद पथ के नीचे स्थित कूड़ा डंपिंग स्थल वर्षों से जनस्वास्थ्य और पर्यावरण के लिए गंभीर समस्या बन चुका था। नगर निगम ने सबसे पहले इस कूड़ा स्थल को पूरी तरह बंद कराया और लखनऊ स्वच्छता अभियान की टीम के नेतृत्व में व्यापक सफाई अभियान चलाकर जमा कचरे का सुरक्षित निष्पादन कराया। साथ ही भूमि का समतलीकरण कर इसे भविष्य में विकास के लिए उपयुक्त बनाया गया।कूड़ा स्थल के समापन के बाद इसे वेस्ट-टू-वंडर की अवधारणा पर आधारित रीयूज़ आर्ट गार्डन में परिवर्तित किया गया। इस गार्डन में बेकार टायर, निर्माण और ध्वस्तीकरण से निकले अपशिष्ट तथा अन्य अनुपयोगी सामग्रियों का रचनात्मक पुनः उपयोग किया गया। इन सामग्रियों से कलात्मक संरचनाएँ, सजावटी वस्तुएँ और बैठने की सुविधाएँ विकसित की गईं, जो स्वच्छता और पुनर्चक्रण का संदेश देती हैं।पर्यावरण संरक्षण और क्षेत्र के सौंदर्यीकरण को ध्यान में रखते हुए पूरे परिसर को हरित पट्टी के रूप में विकसित किया गया। इस दौरान चमेली, बोगनवेलिया, फाइकस और नागफनी सहित विभिन्न पौधों का रोपण किया गया, जिससे क्षेत्र स्वच्छ, हरित और आकर्षक बन सका।विकसित रीयूज़ आर्ट गार्डन का उद्घाटन पार्षद शैलेंद्र वर्मा ने किया। इस अवसर पर सफाई निरीक्षक डॉ. राकेश कुमार के नेतृत्व में लखनऊ स्वच्छता अभियान के अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे। नगर आयुक्त गौरव कुमार ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे शहरी स्वच्छता और अपशिष्ट प्रबंधन का उत्कृष्ट उदाहरण बताया।यह पहल न केवल स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण का संदेश देती है, बल्कि शहरी क्षेत्रों में अपशिष्ट प्रबंधन और रचनात्मक पुनः उपयोग के लिए एक प्रेरक मॉडल के रूप में भी सामने आई है।

महाराष्ट्र में स्थानीय निकाय चुनावोंमें मूल मुद्दे गायब, हिंदू–मुस्लिम राजनीति ने पकड़ा जोर

महाराष्ट्र में स्थानीय निकाय चुनावों की सरगर्मी के बीच एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी का एक बयान राजनीतिक तापमान को अचानक ऊंचाई पर ले गया है। हम आपको बता दें कि सोलापुर में एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए ओवैसी ने कहा कि भारतीय संविधान इतना व्यापक है कि भविष्य में कोई भी नागरिक चाहे वह हिजाब पहने हो, वह भारत का प्रधानमंत्री बन सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि यही भारत और पाकिस्तान के बीच मूल अंतर है जहां संविधान किसी धर्म के आधार पर नागरिक अधिकारों को सीमित नहीं करता।

हम आपको बता दें कि ओवैसी का यह बयान ऐसे समय में आया है जब महाराष्ट्र के नगर निगम नगर परिषद और पंचायत चुनावों में धार्मिक और सामाजिक समीकरण निर्णायक भूमिका निभाने वाले हैं। उनका बयान मंच से उतरते ही राजनीतिक प्रतिक्रिया का केंद्र बन गया और देखते ही देखते यह मुद्दा स्थानीय निकाय चुनावों की बहस में शामिल हो गया। भारतीय जनता पार्टी के नेता नितेश राणे ने ओवैसी के बयान पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि भारत में हिजाब पहनने वाला कभी प्रधानमंत्री नहीं बन सकता। उनका यह बयान केवल ओवैसी के तर्क का खंडन नहीं था बल्कि सीधे तौर पर हिंदू मुस्लिम राजनीति की नई लकीर खींचने वाला वक्तव्य माना गया। इसके बाद राजनीतिक दलों और सोशल मीडिया पर बयानबाजी तेज हो गई।

इस पूरे घटनाक्रम ने स्पष्ट कर दिया कि महाराष्ट्र के स्थानीय निकाय चुनाव अब केवल सड़कों, पानी और सफाई जैसे मुद्दों तक सीमित नहीं रहेंगे बल्कि पहचान और धार्मिक ध्रुवीकरण भी चुनावी विमर्श का हिस्सा बनने जा रहा है।

देखा जाये तो महाराष्ट्र की राजनीति में यह बयानबाजी सोची समझी चुनावी रणनीति का हिस्सा दिखती है। स्थानीय निकाय चुनाव भले ही औपचारिक रूप से नगर प्रशासन से जुड़े हों लेकिन वास्तव में वे राज्य और राष्ट्रीय राजनीति की प्रयोगशाला होते हैं। इसी प्रयोगशाला में इस बार हिंदू मुस्लिम राजनीति का नया फार्मूला आजमाया जा रहा है। ओवैसी का बयान संविधान की आड़ में एक स्पष्ट राजनीतिक संदेश देता है। उनका उद्देश्य केवल संवैधानिक व्याख्या करना नहीं बल्कि मुस्लिम मतदाताओं को यह संकेत देना है कि उनकी राजनीतिक आकांक्षाएं भी वैध हैं और उन्हें हाशिये पर नहीं रहना चाहिए। हम आपको बता दें कि महाराष्ट्र के शहरी इलाकों में जहां मुस्लिम मतदाता निर्णायक भूमिका में हैं वहां यह बयान सीधे तौर पर वोट बैंक को संबोधित करता है।

लेकिन इस बयान की असली चिंगारी तब भड़की जब भाजपा की ओर से यह कहा गया कि हिजाब पहनने वाला कभी प्रधानमंत्री नहीं बन सकता। यह प्रतिक्रिया केवल एक व्यक्ति के बयान का जवाब नहीं थी बल्कि यह हिंदू मतदाताओं को एक स्पष्ट संदेश देने की कोशिश थी कि सत्ता और पहचान की परिभाषा कौन तय करेगा। यहीं से यह बहस हिंदू मुस्लिम राजनीति के खुले मैदान में प्रवेश कर जाती है।

देखा जाये तो स्थानीय निकाय चुनावों में भाजपा के सामने चुनौती केवल प्रशासनिक मुद्दों की नहीं है बल्कि शहरी असंतोष और विपक्षी गठबंधनों की भी है। ऐसे में धार्मिक ध्रुवीकरण एक आसान और आजमाया हुआ रास्ता बन जाता है। ओवैसी का बयान और उस पर भाजपा की प्रतिक्रिया इसी रणनीति को धार देने का काम करती है। यह भी गौर करने योग्य है कि महाराष्ट्र में ओवैसी की पार्टी सीमित लेकिन प्रभावी इलाकों में चुनावी उपस्थिति दर्ज कराती रही है।

इस पूरी राजनीति में सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि स्थानीय समस्याएं पीछे छूट जाती हैं। शहरों में जल संकट, बेरोजगारी, अव्यवस्था और भ्रष्टाचार जैसे मुद्दे हैं लेकिन चुनावी विमर्श पहचान की बहस में उलझ जाता है। लोकतंत्र के निचले स्तर पर जब यह स्थिति बनती है तो उसका असर ऊपर तक जाता है। बहरहाल, महाराष्ट्र के स्थानीय निकाय चुनाव अब केवल पार्षद और नगराध्यक्ष चुनने की प्रक्रिया नहीं रह गए हैं। वे यह तय करने जा रहे हैं कि राजनीति विकास की भाषा बोलेगी या धर्म की। ओवैसी के बयान और भाजपा की प्रतिक्रिया ने यह साफ कर दिया है कि आने वाले दिनों में चुनावी मैदान और अधिक गरम होने वाला है और हिंदू मुस्लिम राजनीति इसका मुख्य हथियार बनने जा रही है।

एक जमानत पर सुप्रीम कोर्ट का निर्णय और देश विरोधी गैंग सक्रिय

दरअसल उमर व शरजील के साथ खड़े लोग अपनी कुंठा और हताशा को ही जगजाहिर कर रहे हैं। इस कुंठित टोली मे कोई जमानत न मिलने को कायरता पूर्ण कार्रवाई कह रहा है

मृत्युंजय दीक्षित

माननीय सुप्रीमकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण निर्णय में फरवरी 2020 में उत्तर-पूर्वी दिल्ली में हुए दंगों के मुख्य आरोपी उमर खालिद और शरजील इमाम की जमानत याचिका खारिज कर दी। इन दंगों में 53 लोग मारे गए थे और 700 से अधिक घायल हुए थे। इसी केस में उमर और शरजील के 5 साथियों को 12 कड़ी शर्तों के साथ जमानत मिल गई है। सुप्रीम कोर्ट ने उमर और शरजील इमाम पर कड़ी टिप्पणियां करी हैं। अब ये दोनों अभियुक्त आने वाले एक साल में जमानत के लिए अपील भी नहीं कर पाएंगे।

फरवरी 2020 के दिल्ली दंगे अत्यंत वीभत्स दंगो में से एक थे। इस दंगे में मारे गए 53 निर्दोष लोगों में एक युवा आईबी अधिकारी अंकित शर्मा, पौढ़ी गढ़वाल से पांच महीने पहले आया गरीब माता का बेटा दिलबर नेगी और दो पुलिस कर्मी भी शामिल थे। ऐसे कुख्यात दंगों के अपराधियों को जमानत न मिलने पर सर्व साधारण में संतोष का भाव है किन्तु कुछ लोग इस पर भी तुष्टीकरण की रोटियां सेंकते हुए उमर खालिद और शरजील इमाम के लिए न केवल आंसू बहा रहे हैं वरन अनर्गल प्रलाप भी कर रहे हैं।

शरजील इमाम केवल दिल्ली दंगों का ही अपराधी नहीं है वरन चिकन नेक तोड़कर पूर्वोत्तर भारत को देश से अलग करने कि बात करने वाला देशद्रोही है। शरजील इमाम भारत को खंड -खंड मे विभाजित देखना चाहता हैं। भारत के जो विपक्षी दलो ने प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से उमर खालिद और शरजील इमाम को जमानत न मिलने पर उसको सांप्रदायिक रंग दे रहे हैं क्या वे इन विचारों से सहमत हैं?

दरअसल उमर व शरजील के साथ खड़े लोग अपनी कुंठा और हताशा को ही जगजाहिर कर रहे हैं। इस कुंठित टोली मे कोई जमानत न मिलने को कायरता पूर्ण कार्रवाई कह रहा है तो कोई इसे बेतुका बता रहा है जबकि कोई इसे अत्याचार बता रहा है। एक ने तो सारी लज्जा त्यागते हुए इसे लोकतंत्र के लिए काला दिन बता दिया। एक व्यक्ति ने कहा कि 5 साल से अधिक बिना किसी दोष साबित हुए जेल में रखना बर्बरता बता दिया। यह बात भारतीय जनमानस के समझने योग्य है कि इन सेक्युलर नेताओं को सुप्रीम कोर्ट का फैसला बर्बर लग रहा है। अमेरिकी अब्राहम लिंकन ने एक बार कहा था कि जो अदालतों के अधिकार व उनके फैसलों को नकारता है वह राष्ट्र की नींव को नकारता है।

इस तुष्टीकरण गैंग से पूछा जाना चाहिए कि आज देश में 4 लाख 34 हजार 302 विचाराधीन कैदी हैं जो सजा पाए बिना जेल में बंद हैं। करीब 26 हजार ऐसे कैदी हैं जो 3 से 5 साल तक जेल में बंद हैं और करीब साढ़े 11 हजार ऐसे कैदी हैं जो 5 वर्षों से अधिक समय से जेल में बंद हैं। यह आंकड़े केवल 2020 तक के ही हैं । इंडिया जस्टिस रिपोर्ट- 2025 के अनुसार यह आंकड़ा और भी बढ़ सकता है। इसमें भी अधिकांश बंदी जन गरीब, दलित अल्पसंख्यक व महिला समाज के हैं। इन कैदियों के लिए टुकड़े टुकड़े गैंग के समर्थकों का मन कभी नहीं छटपटाता है। यह लोग उन उमर खलिद और शरजील इमाम के लिए रो रहे हैं जिनकी जमानत के फैसले से पूर्व ही न्यूयार्क के मेयर ममदानी का एक आपत्तिजनक पत्र सार्वजनिक हो गया था। ममदानी के पत्र से पता चलता है कि भारत के खिलाफ कितनी गहरी साजिशें रची जा रही हैं। यूएपीए कानून के तहत गिरफ्तार किया गया शरजील इमाम राष्ट्र द्रोही व घातक व्यक्ति है।

चिंता का विषय है कि उमर खालिद और शरजील इमाम के बचाव में अदालत में जो लोग खड़े हुए हैं वह कोई सामान्य व्यक्ति नहीं अपितु देश के पूर्व केंद्रीय मंत्री, वरिष्ठ कांग्रेस नेता और प्रभावशाली व्यक्ति हैं। इनमें कपिल सिब्बल, अभिषेक मनु सिंघवी, अश्विनी कुमार जैसे नाम शामिल हैं जिन्होंने कांग्रेस सरकार में बडे मंत्रालय संभाले। इसके अतिरिकत सिद्धार्थ दवे, सिद्धार्थ लूथरा, त्रिदीप पैइस भी इनके वकील रहे।प्रश्न यह उठता है कि "क्या यह केवल कानूनी सहायता है" या "किसी विशेष मानसिकता का स्पष्ट संकेत?" यह सब चल ही रहा था तभी बीच में जेएनयू के ढपली वालों ने आकर ताल से ताल मिला दी। दिल्ली में जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय की जमीन से एक बार फिर देश के विरुद्ध आपतिजनक नारे लगे। दस साल पूर्व भारत तेरे टुकड़े होंगे, इंशा अल्लाह -इंशा अल्लाह के नारे लगाए गए थे उसी जगह "मोदी तेरी कब्र खुदेगी , अमित शाह तेरी कब्र खुदेगी खुदेगी" जैसे आपत्तिजनक नारे लगाए गए। इस गैंग की नारेबाजी की वजह थी दिल्ली दंगों के आरोपी उमर खालिद और शरजील इमाम की जमानत की अर्जी का खारिज होना। कांग्रेस व उसके अन्य विरोधी दलों के नेताओं ने इस प्रदर्शन व नारेबाजी को गुस्से ,नाराजगी के प्रकटीकरण का तरीका बता दिया।

दिल्ली दंगो से सम्बंधित एक महत्वपूर्ण बात यह है कि उस समय दिल्ली में आप मुखिया अरविंद केजरीवाल मुख्यमंत्री थे। दंगो की जांच में यह तथ्य भी सामने आया कि हिंसा अचानक नहीं हुई थी आप पार्षद ताहिर हुसैन और विधायक अमानतुल्लाह खान की इसमें बड़ी भूमिका थी, इनकी जांच प्रगति पर है और अभी कोई बरी नहीं हुआ है। केजरीवाल मुख्यमंत्री रहते सरकारी तौर पर इन तत्वों को बचाने का पूरा प्रयास किया गया और उन्हीं की वजह से आज भी वह जमानत पर घूम रहे हैं। जब तक दिल्ली में केजरीवाल मुख्यमंत्री रहे तब तक उनकी ओर से दिल्ली दंगो की जांच में कोई सहयोग नहीं किया जा रहा था। अब मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में संभव है फरवरी 2020 के पीड़ितों को न्याय मिल जाए।

टिप्पणी

आधी रात संसद चलाने का चस्का

ऐसा लग रहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार को आधी रात तक या उसके बाद भी संसद चलाने का चस्का लग गया है। बहुत पहले आधी रात को संसद का सत्र बुला कर वस्तु व सेवा कर यानी जीएसटी कानून पास किया गया था। यह 2017 की बात है। उसके बाद इस साल यानी 2025 में सरकार ने कम से कम तीन दिन आधी रात के बाद तक चर्चा कराई और विधेयक पास किए। ताजा मामला महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार योजना यानी मनरेगा की जगह विकसित भारत जी राम जी बिल का है। संसद में इसे सरकार ने अचानक मंगलवार को पेश कर दिया। विपक्ष इसके लिए तैयार नहीं था। उसे अंदाजा ही नहीं था कि सरकार इस तरह का बिल ला रही है। तभी बिल पेश होने के बाद विपक्ष ने इसे संसदीय समिति को भेजने को कहा। जब सरकार तैयार नहीं हुई तो एक दिन बाद बुधवार को इस पर चर्चा की मांग हुई, जिसे स्वीकार कर लिया गया।

बुधवार को भी सरकार ने पहले परमाणु ऊर्जा बिल पेश कर दिया, जिस पर साढ़े पांच बजे तक चर्चा हुई और पास किया गया। उसके बाद शाम पांच बज कर 40 मिनट पर जी राम जी बिल पर चर्चा शुरू हुई, जो रात दो बजे तक चली। अगले दिन गुरुवार को दिन में कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने इस पर जवाब दिया और बिल पास किया गया। पास होने के तुरंत बाद इसे राज्यसभा में पेश किया गया और वहां भी चर्चा शुरू हुई, जो रात 12 बजे तक चली। 12 बजे से कुछ मिनट बाद इसे राज्यसभा ने पास किया।

इससे पहले संसद के बजट सत्र के दूसरे हिस्से में दो अप्रैल को वक्फ बिल पर आधी रात के बाद वोटिंग हुई। इस बिल पर रात दो बजे तक चर्चा हुई और उसके बाद इस बिल को पास किया गया। इतना ही नहीं दो बजे वक्फ बिल पास होने के बाद मणिपुर में राष्ट्रपति शासन को मंजूरी देने वाला प्रस्ताव पेश किया गया। उस पर आधे घंटे की चर्चा हुई और फिर 10 मिनट केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने जवाब दिया और तब बिल को तीन बजे के करीब पास किया गया। विपक्ष का कहना है कि सरकार ने शीतकालीन सत्र छोटा ही रखा फिर भी 15 बैठकें थीं। वह पहले भी बिल ला सकती थी। लेकिन जान बूझकर देर से बिल लाया गया और हड़बड़ी में चर्चा करके इसे पास कराया गया।

ब्लॉग

पुलिस पर पथराव की सजा है बुलडोजर नीति

योगेंद्र योगी

पुलिस का दायित्व है कानून—व्यवस्था बनाए रखना और कानूनों की पालना कराना। ऐसे में पुलिस की जिम्मेदारी निभाने के दौरान यदि पुलिसकर्मियों पर हमला हो तो मानना चाहिए कि देश का एक तबका कानून और अदालतों पर भरोसा नहीं रखता है। दिल्ली में तुर्कमान गेट पर अवैध अतिक्रमण हटाने के दौरान यही हुआ। विपक्षी राजनीतिक दल इस मुद्दे पर अब चुनावी रोटियां सेकने में लगे हुए है। अल्पसंख्यक वोट की राजनीति के कारण ऐसे हालात पैदा होते हैं। दिल्ली महानगर निगम ने हाईकोर्ट के निर्देशों की पालना में तुर्कमान गेट के पास फैज—ए—इलाही दरगाह के बाहर अतिक्रमण हटाने गए दस्ते और पुलिसकर्मियों पर पथराव किया गया। अतिक्रमण हटाने के दौरान प्रशासन पर हुई पत्थरबाजी के मामले में पुलिस ने पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

यह पहला मौका नहीं है जब अल्पसंख्यक इलाके में अवैध अतिक्रमण हटाने के दौरान पुलिस और कार्मिकों को पथराव का सामना करना पड़ा हो। इस वर्ष के शुरूआत में ही देश में कई स्थानों पर अल्पसंख्यक इलाकों में अतिक्रमण हटाने के दौरान पुलिस और प्रशासन पर सुनियोजित तरीके से हमले किए गए। इसके बाद पुलिस ने सख्ती का इस्तेमाल कर पत्थरबाजों के अवैध अतिक्रमण ढहाए। जयपुर शहर से करीब 40 किलोमीटर दूर चौमूं बस स्टैंड के पास स्थित कलंदरी मस्जिद के सामने लंबे समय से पत्थर पड़े हुए थे। इसके अलावा यहां रेलिंग बनाई गई थी, जो कथित तौर पर अवैध थी। 25 दिसंबर 2025 की रात मस्जिद कमेटी और नगर निगम के बीच इन रेलिंग और पत्थरों को हटाने पर सहमति बनी थी। इसके बाद पुलिस ने रेलिंग हटाने की कार्रवाई शुरू की थी। इससे भीड़ ने पुलिस पर पत्थरबाजी शुरू कर दी। हमले में कई पुलिसकर्मी घायल भी हुए। हालात बिगड़ने पर पुलिस ने आंसू-गैस का छिड़काव और लाठीचार्ज कर स्थिति को संभाला था। इसके बाद अतिक्रमण वाली जगहों पर बुलडोजर चलाया गया। कार्रवाई में 25 मकानों में बनी करीब 40 दुकानों के बाहर तोड़फोड़ की गई है तीन कंपलेक्स को सीज किया गया है।

उत्तर प्रदेश में ऐसे अतिक्रमण हटाने के दौरान पत्थरबाजी करना अब आसान नहीं रहा है। दरअसल पत्थरबाजों को समझ में आ गया है योगी सरकार उनके अवैध घरों—व्यवसायिक प्रतिष्ठानों पर बुलडोजर चलवाए बिना नहीं मानेगी। यही वजह है कि लखनऊ विकास प्राधिकरण ने लखनऊ के अलग-अलग इलाकों में अवैध निर्माणों को सील किया है। प्राधिकरण ने गोमती नगर विस्तार और चिनहट इलाके में अभियान चलाया है, जिसमें 4 अवैध निर्माण को सील किया गया है। वहीं, दुबग्गा इलाके में लखनऊ विकास

प्राधिकरण से ले-आउट स्वीकृत कराए बिना की जा रही अवैध प्लाटिंग को ध्वस्त कर दिया गया है। यहां 85 बीघा क्षेत्रफल में 7 अवैध प्लाटिंग की जा रही थीं, जिन्हें ध्वस्त कर दिया गया है।

पत्थरबाज अतिक्रमी कानून हाथ में लेने पर उत्तर प्रदेश सरकार का सख्त रवैया संभल में देख चुके हैं। संभल की शाही जामा मस्जिद के सर्वे के दौरान हुई हिंसा के बाद अदालत के आदेश पर मस्जिद के आसपास बड़े पैमाने पर बिजली चोरी और अतिक्रमण हटाने का अभियान चलाया गया। जिसमें अवैध कनेक्शन काटे गए और कब्जे हटाए गए। समाजवादी पार्टी के सांसद जियाउर रहमान बर्क के इलाके में बुलडोजर की कार्रवाई की गई थी। संभल में हिंसा के बाद पुलिस ने सख्त कार्रवाई की। करीब दर्जनभर अवैध दुकानों पर बुलडोजर चलाया गया। उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा था कि संभल या किसी अन्य जिले में किसी को भी अराजकता फैलाने की इजाजत नहीं दी जानी चाहिए। संभल का एक भी दंगाई बख्शा नहीं जाना चाहिए।

इसी तरह प्रयागराज हिंसा के बाद, मुख्य आरोपी जावेद अहमद के घर को बुलडोजर से ध्वस्त कर दिया गया। नमाज के बाद भड़की हिंसा मामले के मुख्य आरोपी मोहम्मद जावेद उर्फ जावेद पंप के घर पर रविवार दोपहर बुलडोजर चलाया गया। जावेद के दो मंजिला आलीशान मकान पर भी ध्वस्तीकरण की कार्रवाई हुई। सपा नेता आज़म खान के जौहर विश्वविद्यालय का उर्दू गेट 9 मार्च 2019 को ध्वस्त कर दिया गया था। आज़म खान ने सरकारी ज़मीन पर मुख्य सड़क का अतिक्रमण करते हुए गेट बनवाया था। गेट के निर्माण में लगभग 40 लाख रुपये खर्च हुए थे, जिसे भाजपा के सत्ता में आने के बाद ध्वस्त कर दिया गया। लखनऊ के अकबर नगर में विध्वंस अभियान के दौरान 1,200 से अधिक अवैध ढाँचे ध्वस्त किए गए। कुकरैल नदी के सौंदर्यीकरण और पुनरुद्धार परियोजना के तहत लखनऊ विकास प्राधिकरण द्वारा लखनऊ के अकबर नगर में अब तक 1,200 से अधिक अवैध संपत्तियों को ध्वस्त किया जा चुका है।

इसमें कोई संदेह नहीं कि जिन राज्यों में भाजपा का शासन है, वहां पत्थरबाजों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की गई है। इसके विपरीत विपक्षी दलों के शासन वाले राज्यों में अलबत्ता तो ऐसे अतिक्रमण विरोधी अभियान चलाए ही नहीं गए। यदि चलाए भी गए तो पत्थरबाजों के प्रति नरम रवैया अपनाया गया। हरियाणा में भाजपा की सरकार है। यहां पर भी पत्थरबाजों की इमारतों पर बुलडोजर चला कर सरकार ने संदेश दिया कि कानून हाथ में लेने वालों की खैर नहीं है। हरियाणा के नुंह में ब्रजमंडल धार्मिक यात्रा के दौरान भड़की हिंसा के बाद 600 से ज्यादा अवैध निर्माण ध्वस्त किए गए। पूरे हरियाणा में करीब 104 एफआईआर दर्ज की गई। करीब 216 गिरफ्तारियां हुई।

मध्यप्रदेश की भाजपा सरकार ने पत्थरबाजों को नहीं बख्शा। मध्य प्रदेश के छतरपुर में थाने पर पथराव करने की घटना सामने आई थी। भीड़ को पथराव के लिए उकसाने वाले हाजी शहजाद अली की कोठी पर बुलडोजर चलाया गया। अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों के एक समूह ने गांधीनगर शहर से 38 किमी दूर बहियाल गांव में एक आपत्तिजनक सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर कई दुकानों और वाहनों को क्षतिग्रस्त कर दिया और पथराव किया। पुलिस ने गांव में हुई झड़प और दंगे के लिए लगभग 60 लोगों को हिरासत में लिया था। गांधी नगर में गरबा पर पथराव करने वालों के 186 अवैध इमारत जमीदोंज कर दी गई।

हाउसिंग एंड लैंड राइट्स नेटवर्क की एक रिपोर्ट के अनुसार, 2022 और 2023 में भारत में लगभग 1.5 लाख घरों (1,53,820) को गिराया गया, जिससे 7.4 लाख से ज़्यादा लोग बेदखल हुए। यह आंकड़े 2022 (46,371 घर) और 2023 (107,449 घर) के डेटा पर आधारित हैं और कई कारणों जैसे अवैध निर्माण, शहरी विकास और अन्य प्रशासनिक वजहों से ये घर ध्वस्त हुए। ये घर बुलडोजर कार्रवाई, अवैध निर्माण, शहरी नियोजन, और अन्य प्रशासनिक निर्णयों के कारण गिराए गए। 'भारत में बुल्डोजर अन्याय' और 'भारत के बुल्डोजर अन्याय में जेसीबी की भूमिका और जिम्मेदारी' नाम से दो रिपोर्ट एमनेस्टी इंटरनेशनल जारी की। इन रिपोर्ट्स में बताया गया है कि अप्रैल और जून 2022 के बीच लगभग 128 संपत्तियों पर बुल्डोजर से तोड़फोड़ की कार्रवाई हुई।रिपोर्ट में बताया गया है कि असम, गुजरात, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश और दिल्ली वो पांच राज्य हैं, जहां धार्मिक हिंसा और प्रदर्शनों के बाद मुस्लिम समुदाय के खिलाफ सरकार की भेदभावपूर्ण नीति देखने को मिली है और यहां सजा के तौर पर संपत्ति की तोड़फोड़ की गई है। रिपोर्ट में इस बात का जिक्र नहीं किया गया कि किस तरह अतिक्रमण हटाने के दौरान पुलिस और प्रशासनिक दस्ते पर पथराव किए। हिंसा भड़काने के प्रयास किए गए। यह निश्चित है कि देश में ऐसे मामलों में कार्रवाई को जब तक राजनीतिक चश्मे से वोट बैंक के कारण देखा जाता रहेगा, पत्थबरबाजों के हौसले बुलंद रहेंगे।

यूपी के 5 जिलों में 4 डिग्री से कम तापमान

आर्यावर्त संवाददाता

नोएडा। उत्तर प्रदेश में कड़ाके की सर्दी ने जनजीवन को ठिठुरा दिया है। प्रदेश के पश्चिमी हिस्से में शीतलहर का प्रकोप जारी है, जबकि कई जिलों में न्यूनतम तापमान 3 डिग्री सेल्सियस से नीचे चला गया है। बुधवार को गौतम बुद्ध नगर प्रदेश का सबसे ठंडा जिला रहा, जहां न्यूनतम तापमान 2।0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इसके बाद मेरठ में 3।1 डिग्री, बहराइच में 3।3 डिग्री और अयोध्या में 3।5 डिग्री सेल्सियस तापमान रहा।

आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र, के मौसम वैज्ञानिक अतुल सिंह ने बताया कि पश्चिमी विक्षोभ के गुजरने के बाद हवाओं की दिशा उत्तर-पश्चिमी हो गई है। इससे पिछले 48 घंटों में दिन और रात के तापमान में 2-4 डिग्री की गिरावट आई है। मौसम विभाग ने पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कई जिलों में शीतलहर की स्थिति बनी रहने की चेतावनी जारी की है

अगले 48 घंटों में मेरठ, मुजफ्फरनगर, बरेली, सहारनपुर, शामली, बागपत, गाजियाबाद, हापुड़, गौतमबुद्ध नगर, बुलंदशहर, बिजनौर, अमरोहा, मुरादाबाद, रामपुर, पीलीभीत, संभल और आसपास के इलाकों में कहीं-कहीं शीतलहर के साथ पाला पड़ने की संभावना है।

मौसम में बदलाव की वजह?

मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के अनुसार, 15 जनवरी से दो उत्तरोत्तर पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने से न्यूनतम तापमान में 3-5 डिग्री की वृद्धि हो सकती है। इससे पश्चिमी यूपी में मौजूदा शीतलहर का दौर कमजोर पड़ सकता है। हालांकि, कोहरे का क्षेत्रफल और घनत्व बढ़ सकता है। 18 जनवरी को पश्चिमी यूपी में कहीं-कहीं बूंदाबांदी या हल्की बारिश के आसार हैं, जो अगले 2-3 दिनों में बढ़ सकती है।

प्रदेश के लोगों को सलाह दी जा रही है कि सुबह-रात के समय गर्म कपड़े पहनें, बेवजह बाहर न निकलें और खासकर बच्चों व बुजुर्गों का विशेष ध्यान रखें। ठंड और कोहरे से ट्रैफिक प्रभावित हो रहा है, इसलिए वाहन चलाते समय सतर्क रहें। उत्तर प्रदेश में यह सर्दी का चरम दौर है, लेकिन मौसम विभाग का पूर्वानुमान बताता है कि कुछ दिनों में तापमान में सुधार आएगा और ठंड से राहत मिल सकती है। तब तक गर्म कपड़ों और सावधानी के साथ सर्दी का सामना करें।

कहां-कहां 4 डिग्री से कम तापमान?

नोएडा एपीएमसी – 2.0
गौतम बुद्ध नगर – 2.0
मेरठ – 3.1
बहराइच- 3.3
अयोध्या – 3.5

ठंड और कोहरे का असर

पिछले 24 घंटों के दौरान उत्तर प्रदेश के दोनों मौसम विभागीय मंडलों, पश्चिमी और पूर्वी उत्तर प्रदेश में मौसम पूरी तरह शुष्क बना रहा। हालांकि पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कुछ इलाकों में घना से बहुत घना कोहरा दर्ज किया गया, जबकि पूर्वी उत्तर प्रदेश के कुछ स्थानों पर हल्का से मध्यम कोहरा छाया रहा। मौसम विभाग के अनुसार बरेली, गाजियाबाद और सहारनपुर में सबसे कम दृश्यता शून्य मीटर रिकॉर्ड की गई। इससे सड़क और रेल यातायात पर भी असर देखने को मिला।

आगामी दो दिनों के मौसम पूर्वानुमान के अनुसार पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 15 जनवरी को मौसम शुष्क बना रहेगा। पूर्वी उत्तर प्रदेश में भी इन दोनों दिनों के दौरान बारिश की कोई संभावना नहीं है और मौसम शुष्क रहने का अनुमान है। मौसम विभाग का कहना है कि 15 और 16 जनवरी को भी पश्चिमी और पूर्वी उत्तर प्रदेश दोनों ही हिस्सों में मौसम शुष्क बना रहेगा। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 15 जनवरी को कुछ स्थानों पर घना से बहुत घना कोहरा और 16 जनवरी को कुछ जगहों पर घना कोहरा छाने की संभावना है। वहीं पूर्वी उत्तर प्रदेश में 15 जनवरी को कुछ स्थानों और 16 जनवरी को कुछ इलाकों में घना कोहरा देखने को मिल सकता है।

4 से 6 डिग्री के बीच में कहां-कहां पारा?

अलीगढ़ – 5.4
आजमगढ़ – 4.9
आजमगढ़ – 4.9
बरेली – 4.8
फतेहपुर केवीके – 5.1
फुरसतगंज – 4.2
गाजियाबाद – 4.8
हरदोई – 4.2
कानपुर – 5.0
कानपुर बर्रा – 5.0
मुजफ्फरनगर – 4.0
शाहजहांपुर – 6.0
सुल्तानपुर – 5.4
मुरादाबाद – 5.5

अन्य जिलों के कैसे हैं हालात?

झांसी – 8.1
गोरखपुर – 8.1
हमीरपुर – 8.2
कानपुर – 7.0
लखीमपुर खीरी – 8.0
लखनऊ एयरपोर्ट – 6.1
मथुरा – 7.2
मोतीपुर हरहवा – 7.5
प्रयागराज – 6.2
वाराणसी – 7.0
वाराणसी बीएचयू – 8.0

मांझे से चिकित्सक का गला कटने से मौत

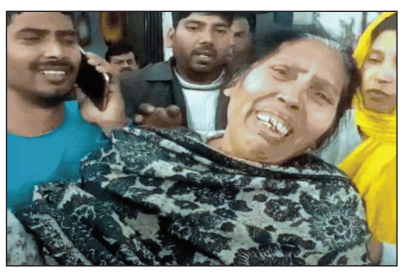

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। चाइनीज मांझे ने एक बार फिर कीमती जिंदगी छीन ली। जिला प्रशासन द्वारा प्रतिबंध और कार्रवाई के बावजूद चाइनीस मांझे पर प्रभावी रोक नहीं लग पा रही है, जिसका खामियाजा आम नागरिकों को अपनी जान देकर चुकाना पड़ रहा है। लाइन बाजार थाना क्षेत्र के प्रसाद इंटरनेशनल स्कूल के पास तिराहे पर बुधवार दोपहर यह दर्दनाक हादसा हुआ। केराकत कस्बे निवासी 26 वर्षीय डॉ0. समीर हाशमी पुत्र कपिल हाशमी, बाइक से घर लौट रहे थे। इसी दौरान सड़क पर फैले चाइनीस मांझे की चपेट में आने से उनका गला गंभीर रूप से कट गया। घटना के तुरंत बाद आसपास मौजूद लोगों ने एंबुलेंस की मदद से उन्हें जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। इस हृदयविदारक घटना से मृतक के परिजनों में कोहराम मच गया है, वहीं इलाके में शोक और आक्रोश का माहौल है। लोगों ने प्रशासन से चाइनीस मांझे की अवैध बिक्री और उपयोग पर सख्त कार्रवाई की मांग की है, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकी जा सके।

पतंगबाजी का खुमार चढ़ा, विक्री तेज

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। मकर संक्रांति को लेकर पतंगों की बिक्री बाजारों में बढ़ गई है। शहर में पतंगबाजी के शौकिया लोग हर कीमत की पतंग व माझा खरीदने में लगे हुए हैं। अब हर उम्र के लोगों में पतंगबाजी का खुमार चढ़ गया है। बाजार भी रंग-बिरंगे पतंग से सजा हुआ है। बाजार के दुकानों में जो पतंग मंझे वाले धागे नजर आ रहे हैं। लोग उसे मोल जोल कर खरीद रहे हैं। दुकानों के मार्केट में शहर सहित आस-पास के प्रखंड से लोग पतंगों की खरीदारी करने आते हैं।यहां पांच रुपये से 100 रूपये तक के पतंग, और धागे मिल रहे हैं। इनकी खरीदारी के लिए लोगों की भीड़ जुटी है। हालांकि, लोगों के बीच आज भी सबसे अधिक कागज से बनी पतंग की डिमांड है। इसके अलावा पन्नी से बने पतंग की भी खूब बिक्री हो रही हैं।वही बच्चों से लेकर बुजुर्गों के बीच पतंगबाजी न केवल मनोरंजन का माध्यम है, बल्कि यह लोगों को आपस में जोड़ने का काम करती है। बाजार में विभिन्न प्रकार की पतंगें,

मंझे और अन्य सामग्री उपलब्ध है।आपरेशन सिंदूर ,हेप्पी न्यू इयर , हैप्पी मकर सक्रांति, मोटू पतलू, स्पाइडर मैन ,छोटा भीम, डोरीमान, मंकी, पवजी, बाज, बटरफ्लाई, एयरोप्लेन, पैराशूट, प्रिंटेड पतंग, कागज और कार्टून डिजाइन की पतंगों की सबसे अधिक मांग है। हाल ही में बड़े आकार की पतंगें लोगों के बीच ज्यादा लोकप्रिय हो रही हैं, जिनकी कीमत पांच रुपये से लेकर सौ रुपये तक होती है। सबसे ज्यादा बिकने वाली पतंग की कीमत छह ,दस एवं बारह रुपये कि है। वहीं लटाई की कीमत 20 रुपये से लेकर 12 सौ रुपये तक की है। लटाई प्लास्टिक और लकड़ी की होती हैं, जो छोटे, मीडियम और बड़े आकारों में मिल रही है। मांझे बाले धागे की की लंबाई 100 मीटर से लेकर 10,000 मीटर तक की है ।अधिकतर धागे कोलकाता ,बंगाल में बनाए जाते हैं। इनकी कीमत पांच रुपये से शुरू होकर 12 सौ रुपये तक की है। 100 मीटर धागे की कीमत 10 रुपये होती है, जबकि 10 हजार मीटर धागे की कीमत तीन सौ से चार सौ रुपये तक निर्धारित है।वही थोक विक्रेताओं फुटकर विक्रेता को पतंगें आधे से भी कम दामों में मिलती है।फुटकर विक्रेता इन्हें दुगने दाम पर बेचकर मुनाफा कमाते हैं। पतंग धागे अधिकतर कोलकाता ,पटना ,बरेली में निर्मित होती है।

16 जनवरी को विवि पहुँचेगी विज्ञान बस

जौनपुर। पूर्वांचल विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों को विज्ञान से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साकार होने जा रही है। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद, उत्तर प्रदेश द्वारा संचालित "साइंस बस" को विश्वविद्यालय परिसर में 16 जनवरी से तैनात किया जाएगा जो विश्वविद्यालय में 01 महीने तक रहेगी । इस पहल के अंतर्गत छात्र-छात्राओं को विज्ञान से संबंधित विभिन्न प्रयोगों, मॉडलों तथा नवीन तकनीकी नवाचारों को प्रत्यक्ष रूप से देखने, समझने और अनुभव करने का अवसर प्राप्त होगा।विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद द्वारा यह सुनिश्चित किया गया है कि निर्धारित अवधि के दौरान अधिकतम संख्या में विद्यार्थी इस पहल से लाभान्वित हो सकें। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो० वंदना सिंह ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि "साइंस बस जैसी पहलें विद्यार्थियों में वैज्ञानिक जिज्ञासा, नवाचार की प्रवृत्ति तथा तार्किक सोच के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

300 घरों पर चलेगा बुलडोजर... बरेली नगर निगम ने लगाए लाल निशान, लोग बोले– 100 साल पुराने हैं मकान

आर्यावर्त संवाददाता

बरेली। उत्तर प्रदेश के बरेली में नगर निगम ने अवैध कब्जों के खिलाफ अभियान तेज कर दिया है। इसी कड़ी में सीबीगंज थाना क्षेत्र के खलीलपुर रोड पर नगर निगम की टीम ने बड़ी कार्रवाई शुरू की है। इस दौरान करीब 300 घरों को चिन्हित करते हुए उन पर लाल निशान लगा दिए गए हैं। नगर निगम का दावा है कि ये मकान प्रस्तावित सड़क चौड़ीकरण में बाधा बन रहे हैं।

नगर निगम की टीम ने मौके पर पहुंचकर प्रभावित परिवारों को सख्त चेतावनी दी कि अगर उन्होंने खुद अतिक्रमण नहीं हटाया तो बुलडोजर चलाकर कार्रवाई की जाएगी। इतना ही नहीं अधिकारियों ने यह भी कहा कि बुलडोजर कार्रवाई का खर्च भी मकान मालिकों से ही वसूला जाएगा। चेतावनी देने के बाद नगर निगम की टीम मौके से लौट गई। नगर निगम की इस कार्रवाई के बाद इलाके में आक्रोश फैल गया है। स्थानीय लोगों

ने नगर निगम पर भेदभाव कर कार्रवाई का आरोप लगाया है।

खलीलपुर रोड 100 साल पुराने मकान

पीड़ितों का कहना है कि ये मकान कोई नए नहीं हैं, बल्कि लगभग 80 से 100 साल पुराने हैं। लोगों का दावा है कि खलीलपुर रोड पहले से ही करीब 12 मीटर चौड़ी है और सड़क के साथ नाला भी बना हुआ है। ऐसे में सवाल उठता है कि सड़क को और कितना चौड़ा किया जाएगा। स्थानीय निवासियों का यह भी आरोप है कि नगर निगम के कुछ कर्मचारियों ने अवैध रूप से पैसे की मांग की है। लोगों का कहना है कि अगर रकम नहीं दी गई, तो मकानों को अतिक्रमण बताकर गिरा दिया जाएगा।

महिलाओं का कहना है कि उन्होंने सालों की मेहनत और मजदूरी करके ये घर बनाए हैं। अगर बुलडोजर चला तो पूरा परिवार सड़क पर आ जाएगा। पीड़ित परिवारों का कहना है कि उनके पास न तो कोई व्यवस्था है और न ही उन्हें किसी तरह के मुआवजे की जानकारी दी गई है। प्रभावित परिवार नगर निगम से मुआवजे की मांग कर रहे हैं। पूरे मामले में नगर निगम के ई। पर्यावरण अभियंता राजीव राठी का कहना है कि खलीलपुर रोड पर किए गए कब्जे पूरी तरह अवैध हैं।

300 मकानों को चिन्हित कर नोटिस जारी

राजीव राठी के मुताबिक लोगों ने सरकारी जमीन पर अतिक्रमण कर मकान बना लिए हैं। नगर निगम द्वारा 300 मकानों को चिन्हित कर नोटिस जारी किए गए हैं और लाल निशान लगाए गए हैं। उन्होंने कहा कि इसमें कोई बाधा बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अगर लोग खुद अतिक्रमण नहीं हटाते हैं तो नगर निगम बुलडोजर से कार्रवाई करेगा और उसका खर्च भी उन्हीं लोगों से वसूला जाएगा।

36.19 लाख की विकास परियोजनाओं का लोकार्पण

जौनपुर। नगर पालिका परिषद, द्वारा नगर क्षेत्र के विभिन्न वार्डों में कराए गए विकास कार्यों का लोकार्पण अध्यक्ष श्रीमती मनोरमा मौर्या' द्वारा किया गया। इन विकास कार्यों पर कुल 'लगभग 36.19 लाख रुपये' की लागत आई है। वार्ड संख्या 6 कलीचाबाद में राज मुनिराज चौहान के मकान से चन्दन चौहान के मकान तक इंटरलॉकिंग सड़क एवं पीपीसी पाइप द्वारा जलनिकासी कार्य (8.50 लाख रुपये), वार्ड कटघरा मोहल्ला तारापुर कॉलोनी में आर.के. लाल के मकान से सुरेन्द्र के मकान तक इंटरलॉकिंग सड़क एवं पीवीसी पाइप द्वारा जलनिकासी कार्य (2.90 लाख रुपये), वार्ड कटघरा तारापुर कॉलोनी सेक्टर-13 में आई.बी. सिंह के मकान से मजार तक नाली एवं इंटरलॉकिंग निर्माण कार्य (4.67 लाख रुपये) शामिल हैं। सभासद 'विष्णु सेठ, ''रेखा मौर्या, अवर अभियंता जल ''रागिनी मौर्या, ''प्रियंका यादव, कार्यालय अधीक्षक ''अवधेश कुमार राय, लिपिक ''अरविन्द यादव, ''रिजवान हैदर, आदि उपस्थित रहे।

'जॉइंट सेक्रेटरी बोल रहा...' अफसर बनकर जेल में युवक ने किया फोन, अधिकारियों को धमकाया

आर्यावर्त संवाददाता

गाजियाबाद। गाजियाबाद की डासना जेल में उस समय हड़कंप मच गया। जब जेल में फोन कर एक युवक ने खुद को ह्यूमन राइट्स का जॉइंट सेक्रेटरी बताया। डासना जेल प्रदेश की सबसे हाईटेक जेलों में से एक है। फोन करने वाले शख्स ने पहले खुद को जॉइंट सेक्रेटरी बताया और फोन पर ही जेल प्रशासन को धमकाने लगा। पुलिस ने जब मामले की जांच की तो पता चला कि अमित पांडे नाम से खुद को जॉइंट सेक्रेटरी बताने वाला युवक अरुण मिश्रा है। पुलिस ने आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया है।

डासना जेल में मौजूद लैंडलाइन फोन पर घंटी बजी और जब फोन उठा तो दूसरी तरफ से आवाज आई कि मैं ह्यूमन राइट्स का जॉइंट सेक्रेटरी अमित पांडे बोल रहा हूं। आपकी जेल में काफी खामियां हैं,

जिनकी गूंज लखनऊ तक सुनाई दे रही है। अगर इसे जल्द मैनेज नहीं किया गया तो जेल प्रशासन के लिए अच्छा नहीं होगा। फोन पर यह सब बात सुनने के बाद जेल के अधिकारियों ने पूरा बात सीनियर अधिकारियों को बताई और फिर मामले की की जांच शुरू हुई। जांच में पता चला कि फोन करने वाले व्यक्ति कोई ह्यूमन राइट्स का सदस्य नहीं था। पुलिस ने आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया है।

फोन कर दी बड़ी कार्रवाई की धमकी

जेल अधीक्षक सीताराम शर्मा से मिली जानकारी के मुताबिक डासना की जिला जेल में फोन कर एक व्यक्ति ने अपना नाम अमित पांडे बताते हुए कहा था कि मैं ह्यूमन राइट्स का जॉइंट सेक्रेटरी बोल रहा हूं और आपकी जेल में काफी कुछ सही नहीं चल रहा है। लखनऊ तक इस के चर्चे चल रहे हैं। अगर जल्दी इस मामले में कुछ नहीं किया गया, तो जेल प्रशासन के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की जाएगी।

जेल प्रशासन ने अपने उच्च अधिकारियों को सारी बात बताई। जब उच्च अधिकारियों ने जांच की तो पाया गया कि फोन करने वाला शख्स कोई ह्यूमन राइट्स का जॉइंट सेक्रेटरी नहीं है बल्कि एक नटवरलाल है, जो जेल प्रशासन को डराने का काम कर रहा था। जेल प्रशासन ने इस मामले की शिकायत लिखित में स्थानीय पुलिस अधिकारियों को दे दी है।

मेरठ का रहने वाला है आरोपी युवक

देहात डीपी सुरेंद्रनाथ तिवारी ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि जेल प्रशासन ने एक शिकायत दी थी, जिसके आधार पर खुद को ह्यूमन राइट्स का जॉइंट सेक्रेटरी बताने वाला व्यक्ति अमित पांडे की जांच की गई। जांच में पता चला कि उसका नाम अरुण मिश्रा है, जो मेरठ के गंगानगर का रहने वाला है। वह अक्सर इस तरह का काम करता था। उन्होंने बताया कि जेल प्रशासन से मिली शिकायत के आधार पर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है।

चाइनीज मांझा न देने पर मारा पीटा, मचाया बवाल

जौनपुर। शह कोतवाली क्षेत्र के रासमंडल मानिक चौक स्थित पतंग के दुकानदार द्वारा चाइनीस मांझा न देने के कारण दबंगों ने दुकानदार समेत कई लोगों को पीट दिया। मामला मंगलवार रात नो बजे का है। 22 वर्षीय मोहम्मद कैफ पुत्र मोहम्मद अरशद अपनी दुकान पर पतंग और डोरी वह देशी मांझा बेंच रहे थे। उसी समय तीन चार की संख्या में आए युवक चाइनीस मांझा मांगने लगे। दुकानदार द्वारा जब नहीं है कहा जिस पर सभी युवक भड़क गए और दुकानदार को गाली देते हुए चले गए और कुछ देर बाद लगभग 10 की संख्या में जुटकर आए और पतंग की दुकान के अंदर घुसकर दुकानदार को ईंट पत्थर लाठी डंडे से मारकर मोहम्मद कैफ हसन व 24 वर्षीय रियाज , फजल पुत्र रियाज समेत चार लोगों को गंभीर रूप से मारपीट कर घायल कर दिया। आरोप है कि मारपीट के बाद दुकान में घुसकर जमकर तोड़फोड़ भी किया।

किसानों ने नहीं दी जमीन, नोएडा–ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे का काम अटका... जाम से राहत का सपना अधूरा

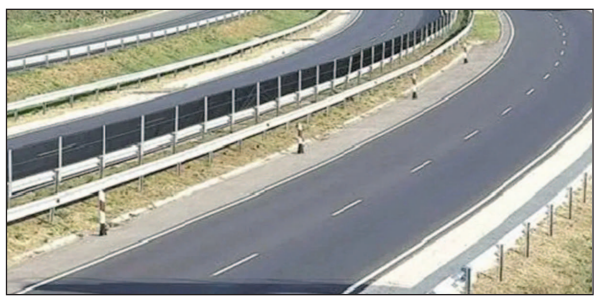

आर्यावर्त संवाददाता

नोएडा। नोएडा और ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे के बीच रोज़ाना सफर करने वाले हजारों लोगों के लिए राहत बनने वाली 45 मीटर चौड़ी सड़क एक बार फिर ज़मीन विवाद के चलते अधूरी रह गई है। नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे पर बन रही इस 45 मीटर चौड़ी सड़क से ट्रैफिक का दबाव कम होने की उम्मीद थी, लेकिन काम रुकने से लोगों को अब भी जाम की परेशानी झेलनी पड़ रही है।

जानकारी के मुताबिक यह सड़क नोएडा के सेक्टर 94 से शुरू होकर सेक्टर 150 तक जानी थी और आगे चलकर ग्रेटर नोएडा व यमुना प्राधिकरण क्षेत्र को आपस में जोड़ने की योजना थी। नोएडा और ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की योजना के अनुसार यह सड़क एक्सप्रेसवे का एक मज़बूत विकल्प साबित हो सकती थी, जिससे रोज़ाना लगने वाले जाम से बड़ी राहत मिलती।

अधिकारियों के अनुसार सड़क का बड़ा हिस्सा तैयार हो चुका है, लेकिन करीब 695 मीटर लंबा हिस्सा अब भी अधूरा पड़ा है। यही अधूरा हिस्सा पूरी परियोजना के लिए सबसे बड़ी रुकावट बन गया है। इस हिस्से के कारण सड़क को पूरी तरह चालू नहीं किया जा सका है।

प्राधिकरण के डीजीएम सिविल विजय कुमार रावल का कहना है कि पांच अलग-अलग जगहों पर किसानों से ज़मीन नहीं मिल पाने के कारण निर्माण कार्य रुक गया है। कुछ किसान ज़मीन देने के लिए तैयार हो गए हैं, जबकि बाकी से बातचीत जारी है। शहदरा गांव समेत मोहियापुर और आसपास के अन्य गांवों में सड़क निर्माण को लेकर सबसे ज़्यादा दिक्कतें सामने आई हैं।

कुछ स्थानों पर सड़क का छोटा-सा हिस्सा अधूरा रह गया है, लेकिन वही हिस्सा पूरी 45 मीटर चौड़ी सड़क को बेकार बना रहा है। अगर किसान ज़मीन देने के लिए राज़ी हो जाते हैं और इस सड़क का काम पूरा हो जाता है, तो नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे पर लगने वाला रोज़ाना जाम और ट्रैफिक का दबाव काफी हद तक कम हो जाएगा। खासतौर पर सुबह और शाम के समय ऑफिस आने-जाने वाले लोगों को काफी राहत मिलेगी।

प्राधिकरण ने शुरू की किसानों से बातचीत

प्राधिकरण के अधिकारियों का कहना है कि ज़मीन अधिग्रहण को लेकर किसानों से बातचीत जल्द शुरू की जाएगी। आपसी सहमति से ज़मीन लेकर सड़क निर्माण पूरा करने का प्रयास किया जा रहा है, ताकि किसी तरह का विवाद न हो और परियोजना जल्द पूरी हो सके। फिलहाल यह सवाल सबसे बड़ा बना हुआ है कि आखिर इस सड़क का काम कब पूरा होगा। जब तक ज़मीन का मसला पूरी तरह हल नहीं होता, तब तक नोएडा और ग्रेटर नोएडा के बीच सफर करने वालों को जाम से राहत मिलती नज़र नहीं आ रही है।

सब्जी खरीदने आई महिला पर आया दिल, शादी से किया इनकार तो एक बच्चे के बाप ने दुपट्टे से घोंट दिया गला

आर्यावर्त संवाददाता

नोएडा। उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा में कॉल सेंटर में काम करने वाली युवती की हत्या के मामले ने कई चौंकाने वाले सवाल खड़े कर दिए हैं। पुलिस जांच में सामने आया कि युवती की हत्या करने वाला आरोपी न तो बेरोजगार था और न ही अविवाहित। आरोपी अंकित कुमार शादीशुदा था और वह एक बच्चे का बाप भी है और रोजाना फल की दुकान लगाता था। इसके बावजूद वह एकतरफा प्यार में इस कदर अंधा हो गया कि उसने एक युवती की बेरहमी से जान ले ली।

इस हत्याकांड के खुलासे के लिए सीपी के निर्देश पर 6 टीमों का गठन किया था। सभी टीमों ने अलग-अलग जगहों पर 200 से ज्यादा CCTV कैमरों की फुटेज खंगाली। इन्हीं फुटेज से साफ हुआ कि आरोपी

किस तरह युवती का पीछा करता रहा। रविवार रात युवती को बीटा-2 के साप्ताहिक बाजार में आरोपी के साथ देखा गया, जबकि कुछ घंटे बाद वही आरोपी अकेला इलाके से निकलता दिखा। इस दौरान पुलिस को पूरा शक हो गया कि इसी युवक ने ही मृतका दीपिका को मारा है।

पुलिस ने कर लिया गिरफ्तार

सर्विलांस लोकल इंटेलीजेंस की मदद से पुलिस आरोपी तक पहुंच गई, जिस दिन इसने इस हत्याकांड को अंजाम दिया था। यह वापस अपने घर गया और वहां से अपने कपड़े और कुछ सामान बैग में रखें पत्नी ने पूछा कि यह सब सामान क्यों रख रहे हो तो उससे भी नाराजगी जाहिर की और कहा कि मैं एक-दो दिन के लिए कहीं बाहर जा रहा हूं, लेकिन उससे पहले ही पुलिस ने आरोपी को धर दबोच लिया। जांच के दौरान यह भी सामने आया कि आरोपी लगातार युवती के आसपास मंडराता रहता था और उसे अपना बनाने की जिद पर अड़ा हुआ था।

मेट्रो स्टेशन के पास लगाता था फल की ठेली

एडिशनल डीसीपी ग्रेटर नोएडा सुधीर कुमार ने बताया पुलिस जांच के मुताबिक आरोपी डेल्टा-1 मेट्रो स्टेशन के पास फल की ठेली लगाता था। युवती रोजाना मेट्रो से आने-जाने के दौरान उससे फल खरीदती थी। यहीं से बातचीत शुरू हुई, लेकिन आरोपी ने इसे प्यार समझ लिया। धीरे-धीरे आरोपी ने युवती पर दोस्ती और फिर शादी का दबाव बनाना शुरू कर दिया। युवती ने इस बात से साफ इनकार कर दिया और दूरी बना ली। यही दूरी आरोपी से बर्दाश्त नहीं हुई। एडिशनल डीसीपी सुधीर कुमार ने यह भी बताया कि आरोपी ने युवती से अपनी शादी और बच्चे की बात पूरी तरह छिपाई थी। वह खुद को अविवाहित बताकर युवती को अपने करीब लाने की कोशिश करता रहा। जब युवती को उसके इरादों की भनक लगी और उसने विरोध किया तो आरोपी बेकाबू हो गया।

जांच में सामने आया कि युवती ने आरोपी को कई बार साफ शब्दों में मना किया था, लेकिन वह मानने को तैयार नहीं था। रविवार को आरोपी ने युवती को मिलने के बहाने बीटा-2 पार्क के पास बुलाया। वहां दोनों के बीच फिर से शादी को लेकर बहस हुई। गुस्से में आकर आरोपी ने युवती के ही दुपट्टे से उसका गला घोंट दिया। हत्या के बाद आरोपी ने शव को पास खड़ी कार के नीचे खिसका दिया। ताकि मामला हादसा लगे और वह पैदल ही मौके से फरार हो गया।

पुरानी हो चुकी टी शर्ट को फेंकने की न करें गलती, इन तरीकों से करें घर के कामो में यूज

टी-शर्ट डेली रूटीन में पहने जाने वाला क्लोथ है और ये इसी के साथ ही पॉकेट फ्रेंडली भी होती है। इसी वजह से फैशन ट्रेंड के बदलते ही नई टी शर्ट ले आते हैं या एक साथ इनकी शॉपिंग कर लेते हैं। इस वजह से घर में कई बार टीशर्ट्स का ढेर लग जाता है। बहुत सारे लोग ऐसे भी होते हैं जो वाइट टीशर्ट्स ज्यादा पहनना पसंद करते हैं जो सिर्फ आपकी वार्डरोब का अहम हिस्सा ही नहीं होती हैं, बल्कि ये लॉन्ड्री का भी सबसे ज्यादा नजर आती है, क्योंकि सफेद कपड़े जल्दी गंदे होते हैं और इनपर हर एक दाग अलग ही दिखाई देता है। ये भी एक वजह होती है कि टी शर्ट जल्दी पुरानी दिखने लगती हैं जबकि उनका कपड़ा खराब नहीं होता है। ऐसे में फेंकने की बजाय आप टीशर्ट्स का रीयूज घर के कई कामों में कर सकते हैं।

पुरानी टीशर्ट्स का घर में ढेर लग गया है और समझ नहीं आ रहा कि इनका क्या करें तो यहां दिए गए कुछ आइडिया आपको जरूर पसंद आएंगे। इससे आपकी बार्डरोब भी क्लियर हो जाएगी और आपको पुरानी टीशर्ट्स फेंकना भी नहीं पड़ेंगी। तो चलिए देख लेते हैं कि टीशर्ट्स का क्या-क्या बनाया जा सकता है।

डोरमेट बनाकर करें यूज

आप पुरानी टी-शर्ट्स का डोरमैट बना सकते हैं। इसके लिए या तो आप तीन से चार टीशर्ट्स को स्क्वायर, रेक्टेंगल या फिर राउंड शेप में काटकर एक-दूसरे के ऊपर रखकर सिलाई लगा सकते हैं और ये सर्दियों में आराम से डोरमेट या फिर आग सेकते वक्त बैठने के लिए कुशन की तरह यूज कर सकते हैं। इसी तरह से आप टीशर्ट्स को 3-4 इंच चौड़ाई की स्ट्रिप्स में काट सकते हैं और फिर उनको एक साथ जोड़कर लंबी स्ट्रिप बना लें। फिर चोटी की तरह गूंथ कर उसे राउंड शेप में टांके लगाकर गोल डोरमेट बनाएं।

तकिया या इसका कवर

टीशर्ट्स मुलायम होती हैं और इसलिए सोफे के कुशन और तकिया में भरने के लिए बेस्ट रहती हैं। कई बार कुछ चीजें ऐसी होती हैं जो फेंकने या फिर काटने का मन नहीं करता है तो ऐसे में आपके लिए टीशर्ट को तकिया में भरना बेस्ट रहेगा। इसके अलावा आप चाहे तो इससे कुशन कवर भी बना सकते हैं। ऊपर से कोई दूसरा कवर चढ़ा दें और फिर आपको जब कवर धोना हो तो ऊपर वाला कवर ही हटाकर धोएं।

टी-शर्ट यार्न से बनाएं नई चीज

आपके घर में अगर ढेर सारी पुरानी टीशर्ट्स हैं तो आप इनको यार्न यानी धागे में बदल सकते हैं। दरअसल इसके लिए आपको टीशर्ट्स की पतली-पतली पट्टियां काटनी होंगी, जिनको आप थोड़ा सा खींच दें और फिर वुलेन सिलाई या फिर क्रोशिया से बुनकर एक नया कपड़ा तैयार कर सकते हैं। जैसे एक बड़ी चादर।

पेट्स के लिए बनाएं टॉयज

अगर आपकी टीशर्ट्स ज्यादा पुरानी हो चुकी हैं और आपको उनसे कोई इमोशनली लगाव नहीं है तो अच्छी बात है कि आप अपने पेट्स के लिए उससे टॉयज बना सकते हैं जैसे पट्टियों में काटकर गांठें लगा दें या फिर एक बड़ी बॉल बना दें, जिससे डॉग बहुत खुश होकर खेलते हैं।

शॉपिंग बैग बना डालें

आप पुरानी टीशर्ट्स का शॉपिंग बैग बना सकते हैं। इसे आप एक खूबसूरत टॉट बैग में भी बदल सकते हैं। बस आपको अंदर की तरफ एक मोटा अस्तर लगाना होगा, जिसके लिए आप पुरानी जींस का इस्तेमाल कर सकते हैं। ये एक बेहतरीन आइडिया है। आप चाहे तो इसे और भी आकर्षक बना सकते हैं जैसे छोटे-छोटे पैटर्न्स को काटकर बैग के ऊपर स्टिच कर दें। कॉर्नर पर टैसल लगा दें और कुछ बीड्स से डेकोरेट करें।

उंगली से दबाने पर पैर में पड़ जाता है गड्ढा... आखिर ऐसा क्यों होता है?

बहुत कम लोग जानते हैं कि आखिर वाटर वेट होता है क्या है। किन हेल्थ प्रॉब्लम का ये कारण बनता है। इसे कंट्रोल या खत्म न किया जाए तो शरीर को कौन-कौन सी गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। चलिए आपको एक्सपर्ट के जरिए बताते हैं इससे जुड़ी जरूर बाते हैं और बचाव कैसे करें...

क्या आप जानते हैं कि वाटर वेट आखिर होता है क्या है। ये किस तरह हमारे शरीर का वजन बढ़ाता है और इसे कंट्रोल न किया जाए तो किन बीमारियों का खतरा शरीर में हो सकता है। कभी आप खुद को फूला हुआ महसूस करते हैं? या फिर पैरों में उंगली लगाकर दबाने से वहां कुछ देर के लिए गड्ढा बन जाता है तो इसे नजरअंदाज न करें। दरअसल, ये वाटर वेट के बढ़ने का संकेत है। इसके कई कारण हो सकते हैं जिसमें ज्यादा नमक खाना या हार्मोनल बैलेंस का ठीक न होना सबसे अहम है। इसके अलावा कोई मेडिकल कंडीशन भी इसकी एक वजह हो सकती है।

यहां आपको एक्सपर्ट के जरिए बताने जा रहे हैं कि वाटर वेट के बढ़ने की शिकायत कुछ लोगों को क्यों होती है। वे किन बातों का ध्यान रखकर इसे कंट्रोल कर सकते हैं। वैसे आप इसे खत्म भी कर सकते हैं। चलिए आपको बताते हैं वाटर वेट से जुड़ी जरूरी जानकारी के बारे में...।

नारायणा अस्पताल गुरुग्राम के सीनियर कंसलटेंट डॉक्टर मुकेश चंदल बताते हैं कि शरीर में पानी का असामान्य रूप से जमा हो जाना वाटर वेट की प्रॉब्लम को बताता है। ये वजन 2 से 5 किलो तक बढ़ जाता है। सुबह उठते ही चेहरे का फूला हुआ दिखना, पैर, टखने और हाथों में सूजन होना, उंगली से दबाते ही गड्ढा बन जाना, पेट का भारी लगना या वजन तेजी से बढ़ना या घट जाना इसके संकेत हैं। वाटर वेट की समस्या क्यों होती है। सवाल पर एक्सपर्ट ने बताया कि जब भी हम नमक खाते हैं तो ये वाटर रिटेंशन करता है। पैकेड फूड, नमकीन या बाहर का खाना ज्यादा खाने से वाटर रिटेंशन ज्यादा होता है।

हार्मोनल चेंज और दूसरी समस्याएं

हार्मोनल चेंज, महिलाओं में पीसीओडी की प्रॉब्लम या थायराइड की समस्या से हार्मोन्स पानी को शरीर में जमा करते हैं। इसके अलावा किसी को किडनी या लिवर की प्रॉब्लम होती है तो बॉडी से पानी ठीक से बाहर नहीं निकल पाता है। किडनी की दिक्कत होने पर पहले पैरों में सूजन आती है और लिवर की बीमारी होने पर पेट में पानी भरने की शिकायत हो जाती है। दिल की कमजोरी है या खून की पंपिंग कमजोर है तो उस केस में भी वाटर वेट बढ़ने लगता है। प्रोटीन की कमी होने पर पानी नसों से बाहर निकलकर शरीर में जमने लगता है।

एक्सपर्ट आगे बताते हैं कि जब शरीर को लगता है कि पानी कम मिल रहा है तो ये इसे स्टोर करने लगता है जिस वजह से भी वाटर वेट की शिकायत होने लगती है। वाटर वेट और फैट में फर्क बहुत सिंपल है। फैट होने पर शरीर में वजन धीरे-धीरे बढ़ता है लेकिन अगर वाटर वेट की दिक्कत हो गई है तो वजन अचानक से तेजी से बढ़ने लगता है। वाटर वेट के होने पर शरीर में सूजन बढ़ने लगती है क्योंकि ये एक तरह का एक्स्ट्रा फ्लूड है जिसे आपकी बॉडी के टिश्यू होल्ड करके रखते हैं।

क्या तेजी से घटता है वाटर वेट

एक्सपर्ट आगे बताते हैं कि अगर किसी को यूरिन की दवा दें तो ये जल्दी से घट भी जाता है। वहीं नॉर्मल फैट के बढ़ने और घटने दोनों में ज्यादा टाइम लगता है। अगर इसका कारण नमक या हॉर्मोन है तो ऐसा होना नॉर्मल है लेकिन अगर लिवर, किडनी या दिल की वजह से हो रहा है तो तुरंत जांच करवानी चाहिए। अचानक सूजन, सांस फूलना, यूरिन कम आना, पेट में पानी भरना या रोजाना वजन बढ़ रहा है तो जांच जरूरी है क्योंकि ये किसी और बीमारी का संकेत हो सकता है।

ऐसे कंट्रोल करें वाटर वेट

दिनभर में 8 से 10 गिलास पानी जरूर पिएं क्योंकि अगर आप खुद को हाइड्रेट नहीं रखते हैं तो शरीर पानी को बचाने लगा है। खाली पेट गुनगुना पानी पीने से दोगुने फायदे मिलते हैं।

न खाएं ज्यादा नमक

अगर ज्यादा लेते हैं तो इस आदत को आज ही छोड़ दें। क्योंकि ज्यादा नमक हमारे शरीर में पानी को रोकता है। तेज नमक वाले फूड्स जैसे चिप्स, नमकीन, पिज्जा और पैकेट वाले फूड्स को खाने से बचें।

पौटेशियम से भरपूर चीजें

केला, नारियल पानी, पालक और शकरकंद जैसी चीजों का सेवन करें क्योंकि इनमें पौटेशियम होता है जो शरीर में सोडियम को बैलेंस करता है।

गणतंत्र दिवस परेड देखने जा रहे हैं तो साथ न ले जाएं ये सामान, गलतियां भी पड़ेंगी भारी

26 जनवरी 1950 को हमारा देश संप्रभु राज्य बना था, क्योंकि इस दिन औपचारिक रूप से संविधान लागू किया गया था, इसलिए हर भारतीय नागरिक के लिए गर्व ये गर्व का दिन है। अगर आप इस बार गणतंत्र दिवस की परेड देखने के लिए जा रहे हैं तो जान लें कि किन बातों को ध्यान में रखना जरूरी है।

26 जनवरी हर भारतीय के लिए बेहद खास दिन होता है, क्योंकि इस दिन हमारा संविधान लागू हुआ है और हमारा देश पूर्ण लोकतांत्रिक गणराज्य बना था। इससे ही हमें धर्मनिरपेक्षता के साथ जीने से लेकर मौलिक अधिकार मिले हैं। रिपब्लिक डे पर पूरे देश में अलग-अलग जगहों पर कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं और झंडा फहराते हैं। देश की राजधानी दिल्ली में कर्तव्य पथ पर भव्य परेड का आयोजन किया जाता है, जिसमें देश की कई बड़ी हस्तियों के साथ ही विदेशी लोग भी शामिल होते हैं। इस दिन आम लोग भी परेड देखने पहुंचते हैं। अगर आप भी इस बार परेड देखने जा रहे हैं तो जान लें कि कौन सी गलतियां आपको नहीं करनी चाहिए।

गणतंत्र दिवस की परेड में कई देश के प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति से लेकर ज्यादातर सभी बड़े नेता और मशहूर हस्तियां शामिल होती हैं और इसी वजह से सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जाते हैं। अगर आप परेड में शामिल होते हैं तो आपको भी जांच प्रक्रिया से गुजरना होगा, इसलिए जान लें कि कौन सी गलतियों से बचना है।

ये चीजें ले जाना न भूलें

रिपब्लिक डे पर परेड देखने के लिए एंट्री से जुड़े दिशानिर्देशों की बात करें तो आपको अपने साथ फोटो पहचान पत्र जरूर रखना है, नहीं तो आपको अंदर एंट्री मिलने में मुश्किल हो सकती है। इसके अलावा अपने टिकट को भी संभालकर रखें। इसके अलावा आपका आउटफिट और फुटवियर कंफर्टेबल होने के साथ ही गर्म होने चाहिए, क्योंकि सुबह के वक्त काफी सर्दी होती है।

क्या चीजें नहीं करनी हैं कैरी?

परेड देखने जा रहे हैं तो ऐसे में कई चीजें अंदर लेकर जाना भी प्रतिबंधित होता है, जैसे आपके बैग या पर्स में किसी भी तरह की शार्प या फिर नुकीली चीज नहीं होनी चाहिए। यहां तक कि नेलकटर भी नहीं होना चाहिए। इसके अलावा किसी भी तरह की नशीली चीज आपके पास नहीं होना चाहिए जैसे सिगरेट, किसी भी तरह की ड्रिंक, गुटखा, तंबाकू। इसके अलावा ऐसी कोई भी ज्वलनशील पदार्थ नहीं लेकर जाना चाहिए। सबसे अच्छा तरीका है कि आप एंट्री के लिए खरीदे गए टिकट पर लिखे दिशा-निर्देशों को ध्यान से पढ़ें।

ये गलतियां भी न करें

अगर आप परेड देखने गए हैं तो किसी भी तरह से कैमरे या फिर फोन का इस्तेमाल बिना अनुमति के न करें। ऐसे कपड़े पहनें जो बहुत ज्यादा डिटेलिंग वाले न हो, जैसे कपड़ों में बहुत सारी पॉकेट्स ये लेयरिंग न हो, क्योंकि इससे चेकिंग के दौरान थोड़ी सी दिक्कत आती है। बच्चे या फिर बुजुर्ग आपके साथ हैं तो भीड़ वाली जगहों से बचें और ज्यादा सतर्क रहें। निर्धारित गेट्स के अलावा दूसरी जगहों से अंदर जाने की गलती न करें।

बैग में क्या लेकर जा सकते हैं?

26 जनवरी की परेड देखने के लिए एंट्री में किसी तरह की दिक्कत न हो। इसके लिए अपने साथ कम से कम सामान कैरी करना चाहिए। बैग लिया है तो उसमें सिर्फ पानी की बोतल (अगर मना किया जाए तो बाहर ही छोड़नी पड़ सकती है), जरूरी डॉक्यूमेंट्स जैसे टिकट, आधार कार्ड, वोटर कार्ड या कोई भी फोटो आईडी प्रूफ। इसके अलावा मोबाइल लेकर जा सकते हैं।

क्या खत्म होगा पासवर्ड का खेल? पास की बन रहा है नया लॉगिन किंग, लेकिन भारत में है बड़ा ट्विस्ट

पासवर्ड जिन पर सालों से भरोसा किया जा रहा था, अब खुद सबसे बड़ी कमजोरी बनते जा रहे हैं। गूगल और Microsoft जैसी दिग्गज कंपनियां पास की को भविष्य का लॉगिन सिस्टम बता रही हैं, लेकिन भारत में यह बदलाव जितना आसान दिखता है, उतना है नहीं। क्या वाकई पासवर्ड का दौर खत्म होने वाला है, या यूजर्स के लिए नई मुश्किलें आने वाली हैं?

पासवर्ड, जो सालों तक हमारी डिजिटल पहचान की पहली चाबी रहे, अब धीरे-धीरे इतिहास बनने की ओर बढ़ रहे हैं। बड़ी टेक कंपनियां मान चुकी हैं कि पासवर्ड न सिर्फ हैकिंग और फिशिंग के लिहाज से कमजोर हैं, बल्कि यूजर के अनुभव को भी खराब करते हैं। इसी वजह से अब दुनिया तेजी से पासवर्डलेस लॉगिन सिस्टम की ओर बढ़ रही है, जहां Passkey जैसी तकनीक को भविष्य का रास्ता माना जा रहा है।

पासवर्ड क्यों हो रहे हैं आउटडेटेड

आज के समय में पासवर्ड याद रखना, बार-बार बदलना और उन्हें सुरक्षित रखना अपने आप में एक झंझट बन चुका है। ऊपर से फिशिंग और डेटा लीक जैसे खतरे इसे और असुरक्षित बना देते हैं। यही कारण है कि टेक इंडस्ट्री अब ऐसे विकल्प ढूंढ रही है जो ज्यादा सुरक्षित होने के साथ-साथ इस्तेमाल में भी आसान हों।

पास की और FIDO सिस्टम क्या है

पासकी और FIDO बेस्ड लॉगिन सिस्टम पासवर्ड की जगह आपके डिवाइस और बायोमेट्रिक पर काम करते हैं। इसमें लॉगिन के लिए पासवर्ड टाइप करने की जरूरत नहीं होती, बल्कि फिंगरप्रिंट, फेस आईडी या डिवाइस लॉक ही आपकी पहचान बन जाता है। आसान शब्दों में कहें तो आपका फोन ही आपका पासवर्ड बन जाता है।

बड़ी कंपनियां क्यों कर रही हैं इसे आगे

Google, Microsoft और कई बड़े प्लेटफॉर्म Passkey को फिशिंग-प्रूफ और ज्यादा सुरक्षित विकल्प मान चुके हैं। FIDO Alliance के मुताबिक, पिछले दो सालों में अरबों अकाउंट्स में पासकी सपोर्ट जुड़ चुका है। Google इसे भविष्य का डिफॉल्ट लॉगिन मानता है, जबकि Microsoft नए यूजर्स को बिना पासवर्ड के अकाउंट बनाने के लिए प्रोत्साहित कर रहा है। यह पहली बार है जब पासवर्ड को बड़े पैमाने पर हटाने की कोशिश हो रही है।

सिक्योरिटी के मामले में क्यों बेहतर है पासकी

Passkey सिस्टम में पासवर्ड चोरी होने या अनुमान लगाए जाने का खतरा लगभग खत्म हो जाता है। चूंकि लॉगिन डिवाइस और बायोमेट्रिक से जुड़ा होता है, इसलिए फिशिंग अटैक यहां काम नहीं करते। इसी वजह से सिक्योरिटी एक्सपर्ट्स इसे अब तक का सबसे सुरक्षित ऑथेंटिकेशन तरीका मानते हैं।

भारत में अलग है तस्वीर

भारत जैसे देश में यह तकनीक अपनाना उतना आसान नहीं है। यहां एक ही फोन कई लोग इस्तेमाल करते हैं, फोन शेयर करना आम बात है और सिम बदलना या सेकेंड हैंड डिवाइस लेना भी सामान्य है। Passkey सिस्टम डिवाइस से गहराई से जुड़ा होता है, ऐसे में फोन खोने या खराब होने पर अकाउंट रिकवरी बड़ी समस्या बन जाती है।

रिकवरी सिस्टम सबसे बड़ी कमजोरी

अभी तक पास की रिकवरी का कोई एक जैसा और आसान तरीका सभी प्लेटफॉर्म पर मौजूद नहीं है। कई बार यूजर अपने ही अकाउंट से बाहर हो जाते हैं। यही वजह है कि इंडस्ट्री रिपोर्ट्स और UX रिसर्च में बार-बार यह बात सामने आती है कि पासकी अपनाने में सबसे बड़ी रुकावट टेक्नोलॉजी नहीं, बल्कि अकाउंट रिकवरी है।

डिवाइस शेयरिंग से बढ़ती परेशानी

जब एक ही फोन पर परिवार के कई लोगों के अकाउंट लॉगिन हों, तो पासकी सिस्टम में प्राइवेसी और एक्सेस कंट्रोल संभालना मुश्किल हो जाता है। इसी कारण कई प्लेटफॉर्म मजबूरी में पुराने और कम सुरक्षित लॉगिन विकल्प भी चालू रखते हैं, जिससे पासकी का पूरा सुरक्षा फायदा कम हो जाता है।

भारत के लिए क्या जरूरी है

टेक कंपनियां मानती हैं कि पासकी भविष्य हैं, लेकिन भारत में यह भविष्य बिना तैयारी के नहीं आ सकता। जब तक ऑफलाइन बैकअप, आसान अकाउंट रिकवरी और डिवाइस लॉस जैसी स्थितियों के लिए साफ समाधान नहीं मिलते, तब तक पासवर्डलेस सिस्टम कई यूजर्स के लिए परेशानी बन सकता है।

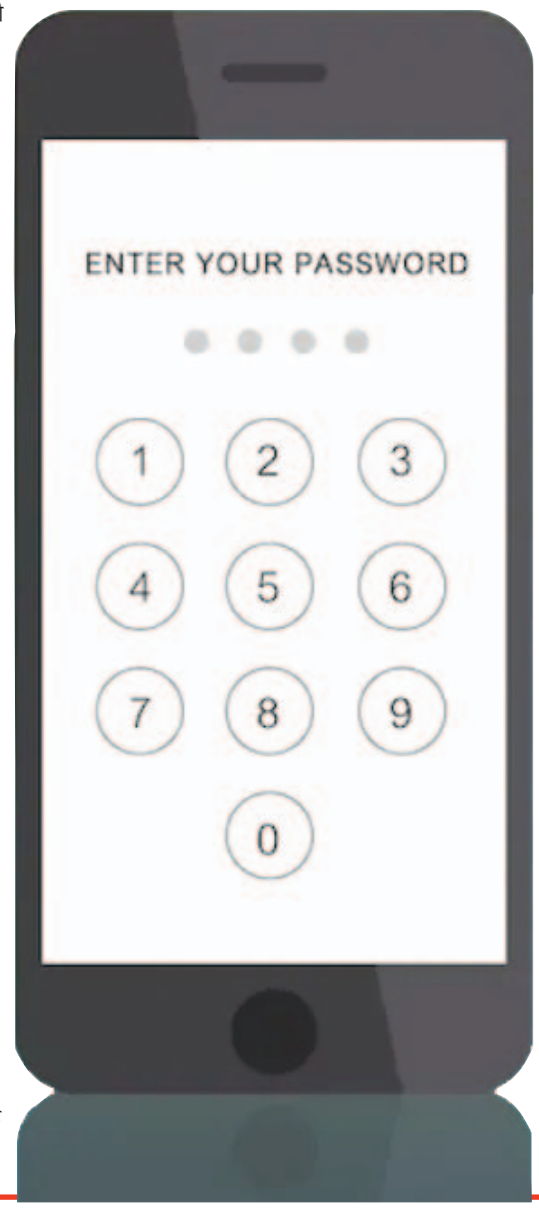

यूजर को क्या करना चाहिए

अगर आप अपना फोन किसी के साथ शेयर नहीं करते हैं, तो Passkey का इस्तेमाल आपके लिए सुरक्षित और आसान हो सकता है। Gmail समेत कई प्लेटफॉर्म Passkey जोड़ने का विकल्प देते हैं। वहीं, अगर आप अभी भी पासवर्ड मैनेज करना चाहते हैं, तो 1Password जैसे पासवर्ड मैनेजर ऐप्स का सहारा लिया जा सकता है, हालांकि इसके लिए सब्सक्रिप्शन लेना पड़ता है।

ईरान से व्यापार करने पर अमेरिका लगाएगा 25 प्रतिशत टैरिफ, क्या भारत पर पड़ेगा असर?

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ऐलान किया है कि जो भी देश ईरान के साथ व्यापार करेगा, उस पर अमेरिका 25 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क (टैरिफ) लगाएगा। भारत पहले से ही अमेरिका के 50 प्रतिशत ऊंचे टैरिफ का सामना कर रहा है, ऐसे में यह फैसला भारत के लिए चिंता बढ़ा सकता है।

भारत, ईरान के पांच सबसे बड़े व्यापारिक साझेदारों में शामिल है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, वित्त वर्ष 2024-25 में भारत ने ईरान को 1.24 अरब डॉलर का सामान निर्यात किया और वहां से 0.44 अरब डॉलर का सामान आयात किया। इस तरह दोनों देशों के बीच कुल व्यापार 1.68 अरब डॉलर का रहा।

तेहरान स्थित भारतीय दूतावास की वेबसाइट पर उपलब्ध जानकारी के मुताबिक, 'भारत और ईरान महत्वपूर्ण व्यापारिक साझेदार हैं। हाल के वर्षों में भारत ईरान के पांच सबसे बड़े व्यापारिक साझेदारों में से एक रहा है। भारत ईरान को चावल, चाय, चीनी, दवाइयां, कृत्रिम रेशे, बिजली के उपकरण और कृत्रिम आभूषण जैसे सामान भेजता है। तो वहीं भारत ईरान से सूखे मेवे, रासायनिक पदार्थ और कांच के बने सामान आयात करता है।'

भारत और ईरान ने वर्ष 2015 में ईरान के चाबहार स्थित शाहिद बेहेश्टी बंदरगाह को मिलकर विकसित करने के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए थे। यह बंदरगाह भारत के लिए बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि इसके जरिए भारत अफगानिस्तान और मध्य एशिया तक व्यापार कर सकता है।

हाल ही में अमेरिका ने भारत को चाबहार बंदरगाह पर अपना परिचालन जारी रखने के लिए दी गई प्रतिबंधों में छूट को छह महीने के लिए बढ़ा दिया है, जो 29 अक्तूबर से प्रभावी है। इसे भारत की कूटनीतिक जीत माना जा रहा है, खासकर ईरान और रूस पर अमेरिकी प्रतिबंधों से जुड़े व्यापक तनाव के बीच।

इस राहत के बाद भारत अगले साल अप्रैल तक चाबहार बंदरगाह को बिना किसी अमेरिकी प्रतिबंध के विकसित और संचालित कर सकता है। यह बंदरगाह भारत के लिए रणनीतिक और व्यापारिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण है। यह बंदरगाह अफगानिस्तान और मध्य एशिया तक भारत की पहुंच के लिए बेहद जरूरी है, जिससे उसे व्यापार और संपर्क के लिए पाकिस्तान को दरकिनार करने की सुविधा मिलती है।

विशेषज्ञों के अनुसार, ईरान का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार चीन है, लेकिन भारत के अलावा संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और तुर्की जैसे देशों को भी नए अमेरिकी टैरिफ से परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

बैकडोर से ईरान के समर्थन में आए सऊदी समेत ये 3 ताकतवर देश, अमेरिका को समझाए हमला न करने के 4 फायदे

तेहरान, एजेंसी। तेहरान में अब अमेरिका कौन सा एक्शन लेगा? इस सवाल पर जारी चर्चा के बीच खाड़ी के 3 ताकतवर देशों ने ईरान के सपोर्ट में बैकडोर से मोर्चा संभाल लिया है। ये तीनों ही देश है- कतर, सऊदी अरब और ओमान। तीनों ही देशों की सरकारें अमेरिका को यह समझाने में जुटी हैं कि ईरान पर कोई भी कार्रवाई उसे ही सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचा सकती है। सऊदी ने तो अमेरिका को यहां तक कह दिया है कि अगर वो हमले का प्लान कर रहा है, तो रियाद उसकी कोई मदद नहीं कर सकता है। कतर के प्रधानमंत्री ने ईरान सुरक्षा परिषद के प्रमुख से फोन पर बात की है। दोनों नेताओं ने वर्तमान स्थिति पर चर्चा की है। ईरान में सुरक्षा परिषद के प्रमुख को सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह अली खामेनेई का करीबी माना जाता है।

सपोर्ट में क्यों उतरे खाड़ी के ये तीनों ही देश?

1- कतर का कहना है कि अगर अमेरिका ईरान पर हमला करता है तो मिडिल ईस्ट में अराजकता की स्थिति बन सकती है। मिडिल ईस्ट में भगदड़ का माहौल बनेगा, जो यहां के देशों के लिए ठीक नहीं है। कतर का कहना है कि ईरान जंग की वजह से यहां कोई भी देश सुरक्षित नहीं रह जाएगा।

2- सऊदी अरब का कहना है कि ईरान में अस्थिरता अगर आती है और सऊदी उसमें किसी भी तरह से शामिल होता है तो उसके इतिहास पर सवाल उठेंगे। यह सवाल उठेंगे कि हमेशा सऊदी अभिव्यक्ति की आजादी को दबाने वाले देशों के साथ खड़ा रहता है। वॉल स्ट्रीट जनरल के मुताबिक सऊदी ने अपना एयरस्पेस इस्तेमाल न करने देने की भी बात कही है।

3- सऊदी अरब की एक चिंता खामेनेई के बाद कौन होगा, उसकी भी है। सऊदी का मानना है कि खामेनेई के हटने की स्थिति में ईरान की सत्ता इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड को मिल सकती है। यह सऊदी के लिए नुकसानदेह साबित हो सकता है। सऊदी का मानना है कि इससे क्षेत्र में सिर्फ अस्थिरता आएगी।

4- ओमान का फोकस धंधे पर है। ओमान का कहना है कि ईरान पर अगर अमेरिका हमला करता है तो स्थिति और ज्यादा सुधरने की बजाय बिगड़ सकती है। ईरान होर्मुज स्ट्रेट को बंद कर सकता है, जिसका सीधा नुकसान तेल व्यापार को होगा। ओमान का कहना है कि पूरे मामले में संयम दिखाने की जरूरत है।

होर्मुज स्ट्रेट इसलिए भी अहम है, क्योंकि दुनिया के समुद्री तेल व्यापार का 25% और लिक्विफाइड नेचुरल गैस (LNG) व्यापार का 20% सालाना इस स्ट्रेट से होकर गुजरता है। हर दिन लगभग 20 मिलियन बैरल तेल होर्मुज स्ट्रेट से गुजरता है।

सऊदी ने अपने मीडिया पर कंट्रोल किया

रिपोर्ट के मुताबिक सऊदी अरब की सरकार ने अपने सभी मीडिया संस्थानों पर ईरान कवरेज को लेकर कंट्रोल किया है। सऊदी नहीं चाहता है कि ईरान को लेकर उसके यहां निगेटिव खबरें छपे, जिसका उसके लोगों पर सीधा असर हो। सऊदी ने सभी मीडिया से सीमित कवरेज करने के लिए कहा है।

सऊदी में अमेरिका के पूर्व राजदूत रहे माइकल रैटनी का कहना है- सऊदी ईरान को पसंद नहीं करता है। दोनों में पुरानी दुश्मनी भी है। इसके बावजूद सऊदी नहीं चाहता है कि जंग हो। अमेरिका ईरान पर स्ट्राइक करे, क्योंकि सऊदी इसके लिए बिल्कुल तैयार नहीं है। कतर की भी यही स्थिति है।

ईरान के लिए इन देशों का समर्थन बड़ी राहत है?

सऊदी और ओमान ईरान का पड़ोसी मुल्क है। इन देशों का समर्थन ईरान के लिए एक बड़ी राहत इसलिए भी है, क्योंकि सऊदी और कतर जैसे देशों में अमेरिका का सबसे बड़ा मिलिट्री बेस है। कतर के अल उदीद में अमेरिका के 40-50 हजार सैनिक तैनात हैं। इसी तरह सऊदी में भी अमेरिका सैन्य संचालन हो रहा है। सऊदी को अमेरिका का मिडिल ईस्ट में काफी करीबी देश माना जाता है।

ईरान में खून-खराबा जारी, आज इरफान को फांसी, क्या मारे गए 20 हजार लोग

तेहरान, एजेंसी। ईरान में सरकार विरोधी प्रदर्शन को आज 18 दिन हो चुके हैं। लेकिन हालात सुधरने के बजाय और ज्यादा भयावह होते जा रहे हैं। ईरानी प्रदर्शन में मारे गए लोगों को लेकर अलग-अलग दावे किए जा रहे हैं। 2000 से लेकर 20,000 तक लोगों के मारे जाने का दावा किया गया है। अमेरिका स्थित ईरानी मानवाधिकार संस्था के मुताबिक 18,000 से अधिक लोग मारे जा चुके हैं। इस पूरे घटनाक्रम का सबसे डरावना पहलू है 26 साल के इरफान सुलतानी का मामला।

द गार्डियन के मुताबिक, इरफान को 8 जनवरी को प्रदर्शन में शामिल होने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। ईरान सरकार ने 11 जनवरी को उन्हें दोषी करार देते हुए बताया कि उन पर मोहारेबेह (भगवान के खिलाफ युद्ध छेड़ना) का आरोप है। खबर है कि आज उन्हें सरेआम फांसी दी जा सकती है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, न उनका कोई ढंग का ट्रायल हुआ है न कोई वकील दिया गया है। इस बीच ट्रंप ने भी धमकी दी है कि अगर प्रदर्शनकारियों को फांसी दी गई तो अंजाम बुरे होंगे।

ट्रंप की चेतावनी, व्हाइट हाउस में बैठक

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को खुली चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि अगर ईरान सरकार प्रदर्शनकारियों को फांसी देती है तो अमेरिका कड़ी कार्रवाई करेगा। अमेरिकी विदेश मंत्रालय का दावा है कि ईरान इरफान सुलतानी को फांसी देने की योजना बना रहा है। इसी मुद्दे पर ट्रंप ने व्हाइट हाउस में उच्चस्तरीय बैठक भी की। इससे पहले ट्रंप ने अपने ट्रूथ सोशल पर प्रदर्शनकारियों से सरकारी इमारतों पर कब्जा करने की अपील की, साथ ही ये भी कहा कि अमेरिकी मदद रास्ते में है। जिससे इन चर्चाओं को और बल मिला कि अमेरिका जल्द ही ईरान में कुछ बड़ी कार्रवाई कर सकता है।

पूरे ईरान में प्रदर्शन, 31 प्रांतों में 600 से ज्यादा घटनाएं

ह्यूमन राइट्स एक्टिविस्ट न्यूज एजेंसी के अनुसार, ईरान के सभी 31 प्रांतों में अब तक 600 से ज्यादा विरोध प्रदर्शन हो चुके हैं। CNN की रिपोर्ट बताती है कि मरने वालों की संख्या 2400 से ज्यादा पहुंच चुकी है। वहीं, रॉयटर्स ने ईरानी अधिकारियों के हवाले से यह आंकड़ा करीब 2000 बताया है। अलग-अलग एजेंसियों के आंकड़ों में फर्क जरूर है, लेकिन इतना साफ है कि यह ईरान के हालिया इतिहास का सबसे हिंसक दौर है।

गाजा युद्ध में इजराइल की खुली मदद कर रहा यूएई, लीक दस्तावेज से हुआ खुलासा

गाजा, एजेंसी। गाजा में जारी इजराइल हमास युद्ध को लेकर एक चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। Emirati Leaks के हाथ एक सरकारी दस्तावेज हाथ लगा है। एक्सेस किए गए इस लीक सरकारी दस्तावेज के मुताबिक, संयुक्त अरब अमीरात (UAE) ने इजराइल को सीधे सैन्य, खुफिया और लॉजिस्टिक सहायता देने की योजना बनाई थी।

दावा है कि यह मदद रेड सी में मौजूद UAE के सैन्य ठिकानों के जरिए दी जा रही है। यह दस्तावेज UAE और इज़राइल के बीच अब तक के सबसे प्रत्यक्ष सैन्य सहयोग को उजागर करता है।

रेड सी बेस से इजराइल को सपोर्ट

लीक दस्तावेज में कहा गया है कि UAE ने यमन, इरिट्रिया और सोमालिया में स्थित अपने ठिकानों का इस्तेमाल कर इज़राइल को मदद पहुंचाने की पूरी तैयारी कर ली थी। ये समर्थन गाजा में इजराइल की सैन्य कार्रवाई के दौरान दिया जाना था। दस्तावेज में साफ लिखा है कि इसका मकसद फिलिस्तीन में आतंकियों के खिलाफ इज़राइल के युद्ध को मजबूत करना है।

किसने लिखी ये चिट्ठी?

यह पत्र अक्टूबर 2023 का बताया जा रहा है, जिसे हमदान बिन जायद अल-नाहयान, UAE रेड क्रिसेंट अथॉरिटी के चेयरमैन ने लिखा था। यह चिट्ठी UAE आर्म्ड फोर्सेज के जॉइंट ऑपरेशंस कमांड को भेजी गई थी। इसमें सैन्य तैयारी, खुफिया सहयोग और लॉजिस्टिक सपोर्ट से जुड़ी तमाम जानकारियां दर्ज हैं।

एक अरब डॉलर की खुफिया मदद का दावा

लीक रिपोर्ट में लिखा है कि UAE और इज़राइल के बीच पुराने रिश्ते हैं, जो 2020 के बाद और मजबूत हुए। दस्तावेज के मुताबिक, ये रिश्ते UAE को अच्छे और बुरे वक्त में इजराइल की मदद करने के लिए बाध्य करते हैं। दस्तावेज में दावा किया गया है कि UAE ने इज़राइल को एक अरब डॉलर के खुफिया उपकरण और टेक्नोलॉजी मुहैया कराई है। इसके अलावा, आतंकवाद विरोधी अभियानों, सैन्य तकनीक और इंटेलिजेंस शेयरिंग में की बात भी कही गई है।

अब्राहम समझौते के बाद रिश्तों में तेजी

UAE और इजराइल ने 2020 में अब्राहम अकॉर्ड्स के तहत रिश्ते सामान्य किए थे, जिसे अमेरिका ने मध्यस्थता कर अंजाम दिया था। इसके बाद दोनों देशों के बीच राजदूतों की नियुक्ति हुई और हाल ही में UAE ने इजराइल में स्थायी दूतावास के लिए जमीन भी खरीदी जो किसी अरब देश द्वारा पहली बार किया गया कदम है।

कतर और कुवैत पर भी आरोप

दस्तावेज में सिर्फ इजराइल समर्थन की बात नहीं है, बल्कि कतर और कुवैत पर भी गंभीर आरोप लगाए गए हैं। इसमें दावा किया गया है कि कतर ने हमास को समर्थन देकर क्षेत्रीय तनाव बढ़ाया। वहीं, कुवैत पर आरोप है कि उसने फिलिस्तीनी लड़ाकू संगठनों को भारी वित्तीय मदद दी, जो UAE-कुवैत के बीच हुए समझौतों का उल्लंघन है। दस्तावेज में यह तक कहा गया है कि कुवैत को विरोधी देशों की सूची में शामिल किया जाना चाहिए।

तरुण विजय की एक और किताब, 'मंत्र विप्लव' का कल अंतरराष्ट्रीय पुस्तक मेला में होगा विमोचन

मुंबई, एजेंसी। वरिष्ठ पत्रकार और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) की साप्ताहिक पत्रिका पाञ्चजन्य के संपादक रहे तरुण विजय की एक और किताब लॉन्च होने जा रही है। 'मंत्र विप्लव' नाम की इस किताब का विमोचन कल गुरुवार को भारत मंडपम में चल रहे अंतरराष्ट्रीय पुस्तक मेला के दौरान दोपहर बाद 2।30 बजे किया जाएगा।

तरुण विजय की विचारोत्तेजक किताब 'मंत्र विप्लव' का लोकार्पण संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले करेंगे। इस दौरान भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता, राज्यसभा सांसद और विचारक सुधांशु त्रिवेदी भी मौजूद रहेंगे। यह विमोचन दिल्ली के भारत मंडपम में अंतरराष्ट्रीय पुस्तक मेला के हॉल संख्या 5 में गेट नंबर 5 पर कल गुरुवार को किया जाएगा।

'मंत्र विप्लव' नाम की यह किताब तरुण विजय के कई लेखों का संग्रह है। ये लेख दैनिक जनसत्ता में (8 जनवरी, 2012 से 19 जुलाई, 2015 तक पाक्षिक अंतराल पर) प्रकाशित हुए, यह ह दौर था जब पाञ्चजन्य के पूर्व संपादक तरुण विजय के लेखों को उसमें प्रकाशित करने को लेकर लगातार विरोध किया जाता रहा। अपनी नई किताब के विमोचन को लेकर तरुण विजय ने कहा, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यों ने भारत के वर्तमान को बदला है और भविष्य की दिशा दी है, जो पराक्रमी, विजयी, समृद्ध भारत की कल्पना से प्रेरित है और जिसका वचन और संकल्प हमें संघ की दैनिक प्रार्थना में मिलता है। वो आगे लिखते हैं, "राष्ट्र नदियों, पर्वतों, बिजली-पानी और भवनों से नहीं, समाज की सामूहिक स्मृतियों से सृजित उस स्वरूप से बनता है, जो उसकी आत्मा का दर्शन कराता है।" वो आगे लिखते हैं, "द्वारकाधीश कृष्ण, अयोध्यापति राम, चोल, चेर, पाण्ड्य, कृष्णदेव राय से लेकर छत्रपति शिवाजी तक के राज्य उन्नत भवनों या समृद्धि के लिए नहीं, धर्म रक्षा, धर्मानुकूल आचरण, जन गण मन के चित्त को धर्मानुसार कार्य की स्वतंत्रता के लिए जाने जाते हैं। यही मंत्र विप्लव से समाज के विमोचन का मार्ग रहा है।" तरुण विजय कहते हैं, "भारत, अनेक शताब्दियों तक उन क्रूर विदेशी आक्रमणकारियों का सामना करता रहा, जिन्होंने पूरे दुनिया को जीतने का दम्भ भरा था। इस्लाम की अमानुषिक सेनाएं स्पेन को जीत कर, पेरिस की सीयेन नदी तक पहुंच गई थी। जहां भी ईसाई और इस्लामी जिहादी पहुंचे, वहां उन्होंने पुरानी स्मृतियों को मिटा दिया, ग्रंथागार जलाए, आचार्यों को तड़पा-तड़पा कर मारा, समाज को खड्ग के बल पर मतांतरित किया। यह भी वे लोग थे, जिन्होंने तुलसी पूजा करने पर हिन्दुओं को हाथ कतरो खम्ब से बांध कर उनके दोनों हाथ काट डाले।"

चराचर जगत, मनुष्य और प्रकृति के प्रति विष-भाव से कर्मरत दानवों का अंत सुनिश्चित करना ही विदुर नीति के अनुसार मंत्र विप्लव से समाज की मुक्ति है और यह कार्य भारत को ही करना होगा। वो आगे कहते हैं, "यही श्री अरविन्द के शब्दों में भारत की नियति है, भवानी भारती की आराधना और आनंद मठ के वीर भाव की फलश्रुति है। इन्ही विचारों को लिए यह पुस्तक 'मंत्र विप्लव' आपको अर्पित है।" उन्होंने आगे कहा कि संघ ऋषि, आदर्श स्वयंसेवकत्व के मानदंड श्री रंगा हरि जी को मैं वर्तमान काल का विदुर ही मानता हूं। उन्होंने मुझे बल दिया, उत्साहित किया, विचार बिंदु दिए, अतः उनकी कृति उनको ही समर्पित कर मैं आनंद का अनुभव कर रहा हूं।

'आचार संहिता के बावजूद महायुति को पैसे बांटने की खुली छूट'; संजय राउत ने चुनाव आयोग पर लगाए आरोप

मुंबई, एजेंसी। शिवसेना (यूबीटी) के सांसद संजय राउत ने बुधवार को महाराष्ट्र राज्य चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि आदर्श आचार संहिता लागू होने के बावजूद महायुति की पार्टियों भाजपा, शिवसेना (शिंदे गुट) और एनसीपी को घर-घर जाकर प्रचार और पैसे बांटने की खुली छूट दी जा रही है।

डोर-टू-डोर कैंपेन की अनुमति

मुंबई में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में संजय राउत ने कहा कि नियमों के मुताबिक मंगलवार को चुनाव प्रचार समाप्त हो चुका था, लेकिन इसके बाद भी चुनाव आयोग ने डोर-टू-डोर कैंपेन की अनुमति दे दी, जो सवालों के घेरे में है। राउत ने कहा जब आचार संहिता लागू है और प्रचार खत्म हो चुका है, तब घर-घर जाकर प्रचार की इजाजत देना किस तरह का नियम है? यह सीधे तौर पर भाजपा, एकनाथ शिंदे और अजित पवार को पैसे बांटने का लाइसेंस देने जैसा है।

संजय राउत ने मतदाता सूची से बड़े पैमाने पर नाम हटाने का भी आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि बिहार में करीब 60 लाख, उत्तर प्रदेश में 1.25 करोड़ और पश्चिम बंगाल में लगभग 54 लाख मतदाताओं के नाम सूची से हटाए गए हैं। उन्होंने कहा कि इस तरह की कटौती से चुनाव परिणाम प्रभावित हो सकते हैं। उन्होंने कहा एक राज्य में लाखों वोटरों के नाम हटाना चुनाव की दिशा बदल सकता है। महाराष्ट्र में भी यही स्थिति देखने को मिल रही है।

भाजपा पर निशाना साधते हुए राउत ने कहा कि पार्टी निष्पक्ष तरीके से चुनाव नहीं लड़ती। उन्होंने दावा किया कि पश्चिम बंगाल में हिंदू-मुस्लिम मुद्दा असफल होने के बाद अब मुकाबला ईडी बनाम तृणमूल कांग्रेस में बदल गया है। राउत ने यह भी दावा किया कि तमाम कथित साजिशों के बावजूद पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी भारी बहुमत से जीतेंगी।

महाराष्ट्र में नगर निकाय चुनावों के लिए मतदान कल

महाराष्ट्र में बीएमसी सहित 29 नगर निगमों के चुनाव 15 जनवरी, 2026 को कराए जाएंगे, यह चुनाव एक ही चरण में होंगे।

मतदाता चुनाव में आसानी से वोट कर सकें इसके लिए सार्वजनिक अवकाश की भी घोषणा की गई है।

ग्रेटर मुंबई के सभी पोलिंग स्टेशनों पर सुबह 7.30 बजे से शाम 5.30 बजे तक वोटिंग होगी।

नतीजों की घोषणा 16 जनवरी 2025 को होगी।

गौरतलब है कि नामांकन का प्रक्रिया 23 दिसंबर 2025 से शुरू हुई थी।

वहीं नामांकन की आखिरी तारीख 30 दिसंबर थी।

जिन उम्मीदवारों ने नामांकन कर दिया था, लेकिन किसी कारण वश नाम वापस लेना हो तो उसकी तारीख 2 जनवरी 2026 रखी गई थी।

3 जनवरी को जो उम्मीदवार चुनावी मैदान में हैं, उनकी अंतिम सूची जारी हुई थी।

विवियन डीसेना, ईशा सिंह और ईशा मालवीय छोड़ रहे हैं शो? 'लाफ्टर शेफ' में होगी पुराने कंटेस्टेंट की एंट्री

कलर्स टीवी का कुकिंग रियलिटी शो 'लाफ्टर शेफ' टीआरपी चार्ट पर धूम मचा रहा है। जल्द ही इस शो में नया ट्विस्ट आने वाला है। इस ट्विस्ट की वजह से कुछ पुराने कंटेस्टेंट शो में एंट्री करेंगे और कुछ नए कंटेस्टेंट इस शो को अलविदा कहेंगे।

कलर्स टीवी का सबसे चर्चित रियलिटी शो 'लाफ्टर शेफ' सीजन 3 इन दिनों अपनी कॉमेडी और कुकिंग के अनोखे तड़के से दर्शकों का भरपूर मनोरंजन कर रहा है। लेकिन अब शो से जुड़ी एक ऐसी खबर सामने आ रही है, जिसने फैंस को चौंका दिया है। टीवी9 हिंदी डिजिटल को सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक शो के तीन पॉपुलर कंटेस्टेंट्स विवियन डीसेना, ईशा सिंह और ईशा मालवीय मिड-सीजन में ही शो से एग्जिट ले सकते हैं और इन कंटेस्टेंट की जगह पुराने स्टार कंटेस्टेंट की शो में वापसी होगी।

दो सफल सीजन के बाद कलर्स टीवी के कुकिंग रियलिटी शो 'लाफ्टर शेफ' की शुरुआत एक नए कॉन्सेप्ट के साथ हुई थी। इस कॉन्सेप्ट के तहत शो में शामिल होने वाले सेलिब्रिटी कंटेस्टेंट 'टीम छुरी' और 'टीम कांटा' इन दो टीमों में बांटे गए थे और इन दोनों टीमों में कुकिंग का मुकाबला था। टीम छुरी में अली गोनी, कृष्णा अभिषेक, जन्नत जुबेर, अभिषेक कुमार, समर्थ जुरैल और कश्मीरा शाह शामिल थे, तो टीम कांटा में विवियन डीसेना, ईशा मालवीय, ईशा सिंह, एल्विश यादव, करण कुंद्रा, तेजस्वी प्रकाश, गुरमीत चौधरी और देबिना बनर्जी थे।

टीम छुरी की हुई जीत

पिछले कई दिनों से 'टीम छुरी' और 'टीम कांटा' के बीच चल रही लड़ाई में 'टीम छुरी' ने जीत हासिल कर ली। अब सुनने में आया है कि इस मुकाबले के बाद अब फिर से कलर्स टीवी का ये शो अपने पुराने फॉर्मेट में लौट आएगा, जहां टीम नहीं तो कंटेस्टेंट की जोड़ियां आपस में टकराएंगी। शो के पुराने फॉर्मेट के साथ पुराने कंटेस्टेंट भी शो में शामिल होंगे और कुछ नए कंटेस्टेंट शो से बाहर होंगे।

बाहर हो रहे हैं विवियन, ईशा और ईशा मालवीय?

जानकारी के मुताबिक, विवियन डीसेना, ईशा सिंह और ईशा मालवीय अपने पहले से तय प्रोफेशनल कमिटमेंट्स के कारण शो को आगे जारी नहीं रख पाएंगे। बताया जा रहा है कि इन सितारों के पास अन्य प्रोजेक्ट्स की डेट्स क्लैश हो रही हैं, जिसके चलते उन्हें शो से एग्जिट लेना पड़ रहा है। हालांकि, तेजस्वी प्रकाश, गुरमीत चौधरी और देबिना बनर्जी फिलहाल इस शो का हिस्सा बने रहेंगे। साथ ही इस शो की रौनक बढ़ाने अंकिता लोखंडे, विक्की जैन, निया शर्मा और अर्जुन बिजलानी शो में एंट्री करेंगे। हालांकि इस खबर को लेकर चैनल या कंटेस्टेंट की तरफ से किसी भी प्रकार की आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

कभी दो शब्द बोलने में भी कतराते थे ऋतिक रोशन, आज बॉलीवुड के हैं 'ग्रीक गॉड

बॉलीवुड के 'ग्रीक गॉड ऋतिक रोशन हिंदी सिनेमा के बड़े सितारों में गिने जाते हैं। डांस, एक्टिंग और दमदार लुक के चलते उन्होंने लाखों फैंस के दिलों पर राज किया है। लेकिन कम ही लोग जानते हैं कि इस चमक-दमक के पीछे उनका एक लंबा संघर्ष छिपा है।

ऋतिक बचपन में हकलाने की समस्या से जूझते थे। छोटे-छोटे शब्द बोलना उनके लिए इतना मुश्किल था कि वे अक्सर अपने आपको अकेले में बाथरूम या अलमारी में बंद कर लेते थे। लेकिन उन्होंने मेहनत और लगन से अपनी मुश्किलों को मात दी।

ऋतिक रोशन का जन्म 10 जनवरी 1974 को मुंबई में हुआ था। वे एक फिल्मी परिवार से आते हैं। उनके पिता राकेश रोशन बॉलीवुड के मशहूर डायरेक्टर और निर्माता हैं, जबकि उनकी मां पिंकी रोशन गृहिणी हैं। उनके दादा रोशनलाल नागरथ संगीतकार थे और उनके चाचा राजेश रोशन भी संगीत में सक्रिय रहे। ऐसे परिवार में पैदा होने के बावजूद ऋतिक का बचपन आसान नहीं था।

ऋतिक को बचपन से ही हकलाने की समस्या थी। स्कूल के समय उन्हें बोलने में मुश्किल होती थी। कई बार उनका मजाक भी बनाया जाता था। लेकिन ऋतिक ने हार नहीं मानी। उन्होंने अपनी इस कमजोरी को दूर करने के लिए रोजाना अखबार पढ़ने की आदत डाली। हिंदी, अंग्रेजी और उर्दू अखबार पढ़कर उन्होंने धीरे-धीरे बोलने की क्षमता बढ़ाई। इससे उनका आत्मविश्वास भी बढ़ा और वह हकलाने की बीमारी पर काबू पाने में सफल हुए।

ऋतिक ने 10 साल की उम्र में ही चाइल्ड एक्टर के तौर पर काम करना शुरू कर दिया। वे रजनीकांत की फिल्म 'भगवान दादा में नजर आए। उस समय वे छोटे थे, लेकिन बड़े सितारों के साथ काम करने का अनुभव उन्हें सीखने का मौका देता रहा।

बॉलीवुड में ऋतिक का असली डेब्यू 2000 में फिल्म 'कहो नाज प्यार है से हुआ। इस फिल्म ने उन्हें रातों रात स्टार बना दिया। इस सफलता के बाद ऋतिक के पास लगातार फिल्मों के ऑफर्स आने लगे। हालांकि पहली फिल्म की ब्लॉकबस्टर सफलता को बनाए रखना उनके लिए आसान नहीं था। ऋतिक की कई फिल्में बॉक्स ऑफिस पर वैसा करिश्मा नहीं कर सकीं, लेकिन उनका क्रेज कभी कम नहीं हुआ।

युवा चॉकलेटी चेहरे, दमदार बॉडी, डांस और स्टाइल ने उन्हें यूथ आइकन बना दिया था। सलमान खान के बाद ऋतिक रोशन ने 2000 के दशक में युवाओं में फिटनेस को पैशन तक पहुंचा दिया था। उन्होंने रोमांटिक, एक्शन और ड्रामा, हर तरह के किरदार निभाए। उनकी मेहनत और लगन ने उन्हें दर्शकों के बीच अलग पहचान दिलाई।

ऋतिक को कई पुरस्कार भी मिले। उन्होंने बेस्ट डेब्यू, बेस्ट एक्टर, और बेस्ट डांसर जैसे कई अवॉर्ड्स जीते। उनकी 'धूम 2, 'कृष, 'जिंदगी ना मिलेगी दोबारा, और 'सुपर 30 जैसी फिल्मों ने सफलता दिलाई। भले ही ऋतिक के करियर और निजी जीवन में उतार-चढ़ाव आए, लेकिन उनकी मेहनत और लगन ने उन्हें सिर्फ फैंस ही नहीं, बल्कि इंडस्ट्री में भी सम्मान दिलाया है। आज वे एक परिपक्व कलाकार के तौर पर हिंदी सिनेमा में स्थापित हो चुके हैं।

राहु केतु का जलवा सिर्फ दर्शकों तक सीमित नहीं, अमिताभ बच्चन, सलमान खान, संजय दत्त समेत इंडस्ट्री ने भी बरसाया प्यार

राहु केतु इस वक्त पूरे फुल फॉर्म में है और फिल्म इंडस्ट्री ने भी इस पर नोटिस लेना शुरू कर दिया है। जैसे ही ट्रेलर रिलीज़ हुआ, माइथोलॉजी और कॉमेडी का ये हटके कॉम्बिनेशन सोशल मीडिया पर छा गया। दमदार गाने हों, दिलचस्प टीज़र या फिर एक बिल्कुल नई और अनदेखी दुनिया—राहु केतु हर वजह से ट्रेंड कर रही है। ऊपर से अलग-अलग शहरों में हुए कॉलेज विज़िट्स ने एक्साइटमेंट को और भी हाई कर दिया है, ये साबित करते हुए कि राहु केतु को लेकर पागलपन बिल्कुल रियल है। लेकिन ये प्यार सिर्फ ऑडियंस और फैंस तक ही सीमित नहीं है। फिल्म को इंडस्ट्री के दिग्गजों से भी भरपूर शुभकामनाएं मिल रही हैं। अमिताभ बच्चन, सलमान खान और संजय दत्त जैसे बड़े नामों ने टीम को बधाइयां दी हैं। इनके साथ अली फज़ल और ऋत्विक धनजानी ने भी अपना सपोर्ट भेजा है, जिससे फिल्म को लेकर बढ़ती एक्साइटमेंट और मजबूत हो गई है।

वरुण शर्मा, पुलकित सम्राट और शालिनी पांडे की तिकड़ी के साथ, फिल्म ह्यूमर, अफरा-तफरी और चार्म का फ्रेश डोज़ देने का वादा करती है। विपुल विग के डायरेक्शन डेब्यू वाली इस फिल्म में चंकी पांडे, अमित सियाल, मनु ऋषि चड्ढा और सुमित गुलाटी जैसे दमदार कलाकार भी हैं, जो राहु केतु की दुनिया को और भी रंगीन, लेयर्ड और जबरदस्त एंटरटेनिंग बनाते हैं। लगातार बढ़ता बज़ और हाई लेवल एक्साइटमेंट ये साफ कह रहा है कि राहु केतु इस सीज़न की सबसे ज़्यादा इंतज़ार की जाने वाली एंटरटेनर फिल्मों में से एक बनने वाली है।

ज़ी स्टूडियोज़ की प्रस्तुति, ज़ी स्टूडियोज़ और बीलाइव प्रोडक्शंस द्वारा निर्मित, राहु केतु 16 जनवरी 2026 को सिनेमाघरोंह्व में दस्तक दे रही है। अपनी पूरी गैंग रेडी रखिए और बड़े पर्दे पर इस पागलपन का मज़ा लीजिए।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित। शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा।
RNI No: UPHIN/2014/57034
Website: aryavartkranti.com
*सम्पादक: प्रभात पांडेय
सम्पर्क: 9839909595, 8765295384
Email: aryavartkrantidainik@gmail.com